TITLE CODE : UPMUL00792

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

लोक पहल

हनुमान जन्मोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ

शाहजहाँपुर, शुक्रवार 07 अप्रैल 2023 | शाहजहाँपुर से प्रकाशित | वर्ष :2, अंक :07 पृष्ठ :8, मूल्य 2 रुपये

हनुमान जी की तरह राष्ट्र की सेवा करें भाजपा कार्यकर्ता : नरेन्द्र मोदी

■ भाजपा के 44वें स्थापना दिवस पर पार्टी कार्यकर्ताओं को पीएम ने किया सम्बोधित

नई दिल्ली एजेंसी। भाजपा के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को हनुमान जन्मोत्सव पर उनसे प्रेरणा लेते हुए हनुमान जी की तरह ही सेवा कार्य करें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, "आज हम देश के कोने–कोने में भगवान हनुमान की जयंती मना रहे हैं। हनुमान जी का जीवन आज भी हमने भारत की विकास यात्रा में प्रेरणा देते हैं। जब लक्ष्मण जी पर संकट आया तब हनुमान जी पूरा पर्वत ही उठाकर ले आए। भाजपा भी इसी प्रेरणा से परिणाम लाने में लोगों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करती रही है, करते रहना है, करते रहेंगे।"

उन्होंने कहा कि "आज हम सभी अपनी पार्टी का 44वां स्थापना दिवस मना रहे हैं। मां भारती की सेवा में समर्पित प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता को मैं बहुत–बहुत बधाई देता हूं। भाजपा की स्थापना से लेकर आज तक जिन महान विभूतियों ने पार्टी को सींचा है, पार्टी को संवारा है, सशक्त और समृद्ध किया है, छोटे से छोटे कार्यकर्ता से लेकर के वरिष्ठ पद पर रह कर देश और पार्टी की सेवा करने वाले सभी महानुभावों को मैं शीश झुका कर प्रणाम करता हूं।" पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा भारत के गरीब से गरीब व्यक्ति के लिए आशा की किरण है। उन्होंने कहा, "हम समाज के कल्याण के लिए काम करते हैं न कि अपने परिवारों के कल्याण के लिए। कांग्रेस और कांग्रेस से निकली पार्टियों ने वंशवाद की राजनीति, जातिवाद, क्षेत्रवाद की राजनीतिक संस्कृति बनाई है। भाजपा ने भारत की राजनीतिक संस्कृति को बदल दिया है। हम सबको साथ लेकर चलते हैं।"

फेक न्यूज से निपटने की व्यापक योजना बनाएं आइआइएस के अधिकारी: राष्ट्रपति

नई दिल्ली एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 'भारतीय सूचना सेवा' (आईआईएस) के अधिकारियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के दौर में सूचनाओं के व्यापक और त्वरित प्रसार के साथ तेजी से फैलने वाली फेक न्यूज की चुनौती भी सामने आई है। आईआईएस अधिकारियों को फेक न्यूज से निपटने की जिम्मेदारी लेनी होगी।

राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने अधिकारियों से तकनीक का उपयोग करने और फेक नैरेटिव बनाने के लिए मीडिया, विशेष रूप से सोशल मीडिया के दुरुपयोग की प्रवृत्ति को रोकने के लिए समर्पण के साथ काम करने का आग्रह किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और इसके कामकाज के बारे में नागरिकों को जागरूक बनाने में कम्युनिकेशन की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रभावी संचार के माध्यम से और सही जानकारी के साथ, आईआईएस अधिकारी नागरिकों को देश की प्रगति में भागीदार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक मंच पर भारत की छवि को निखारने में आईआईएस अधिकारियों की अहम भूमिका है।

राष्ट्रपति ने कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए सही जानकारी ऑक्सीजन का काम करती है। तकनीक का सही प्रयोग कर हम समाज के अंतिम व्यक्ति तक सही जानकारी पहुंचा सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सामने एक और चुनौती ये है कि नई तकनीकों का उपयोग वे लोग भी करेंगे, जो फेक न्यूज का व्यापार करते हैं। अधिकारियों को इस तरह के दुष्प्रचार का मुकाबला करने के लिए अच्छी तरह से तैयार होना चाहिए और गलत सूचनाओं के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

श्रीमती मुर्मू ने कहा कि सूचनाओं का प्रसार करते समय समग्र दृष्टिकोण अपनाने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय सूचना सेवा के अधिकारियों को लोगों द्वारा समझी जाने वाली भाषा और उनके द्वारा उपयोग किए जाने वाले माध्यम से संवाद करने और सूचित करने में सक्षम होना चाहिए। कार्यक्रम में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्रा, संयुक्त सचिव संजीव शंकर, 'भारतीय जनसंचार संस्थान' के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी, अपर महानिदेशक आशीष गोयल एवं भारतीय सूचना सेवा की पाठ्यक्रम निदेशक नवनीत कौर सहित वर्ष 2018, 2019, 2020, 2021 और 2022 बैच के अधिकारी व प्रशिक्षु अधिकारी भी मौजूद रहे।

आठ माह से कतर की खुफिया कैद में हैं नौसेना के 8 रिटायर्ड अफसर

■ कांग्रेस ने सरकार के प्रयासों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली एजेंसी। कतर की खुफिया इकाई ने 30 अगस्त 2022 को भारतीय नौसेना के आठ रिटायर्ड अफसरों को बिना कोई कारण बताए गिरफ्तार कर लिया। कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कमांडर सुग्नाकर पकाला, कमांडर पूर्णेन्दु तिवारी, कमांडर अमित नागपाल, कमांडर संजीव गुप्ता और सेलर रागेश की गिरफ्तारी के बाद उन्हें कतर की अलग–अलग जेल यानी 'खुफिया कारागार' में रखा गया। करीब 240 दिन बाद भी इन अफसरों की रिहाई नहीं हो सकी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संसद में इसे 'बहुत ही संवेदनशील मामला' बताया था। इसको लेकर कांग्रेस पार्टी सरकार पर हमलावर हो गई है। कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने सवाल किया है कि भारत सरकार अभी भी इस मामले के तथ्यों का पता लगाने या नौसेना के पूर्व कर्मियों और उनके परिवारों को न्याय दिलाने के लिए आश्वस्त करने में असमर्थ क्यों है।

भारत ने गत वर्षों में कतर के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए काफी कुछ किया है। कतर में लगभग सात लाख प्रवासी भारतीय हैं। उनमें कई बड़े कारोबारी भी हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने दोनों देशों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए काफी इन्वेस्ट किया है। उन्होंने तीन वर्षों में कतर की चार यात्राएं की हैं। यूपीए सरकार में पीएम डॉ. मनमोहन

सिंह ने 2008 में कतर की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री मोदी भी 2016 में दोहा गए थे। इस बीच 2015 में कतर के अमीर, शेख तमीम बिन हमाद अल थानी, भारत आए थे।

भारतीय नौसेना के रिटायर्ड अधिकारी, कतर की नौसेना को ट्रेनिंग दे रहे थे। इसके लिए उनका 'दाहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजीज एंड कंसल्टेंसी' कंपनी के साथ अनुबंध हुआ था। जिस वक्त यह गिरफ्तारी हुई, तब कंपनी के प्रमुख और ओमान एयरफोर्स के रिटायर्ड स्क्वाड्रन लीडर, खमिस अल अजमी को भी गिरफ्तार किया गया था, हालांकि उन्हें तीन माह की पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। सूत्रों का कहना है कि कतर में कैद, भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारियों को रिहा कराने के कानूनी एवं कूटनीतिक स्तर पर कई प्रयास हुए हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अपने एक बयान में कहा, क्या प्रधानमंत्री इस वजह से कतर पर दबाव बनाने में उत्साह नहीं दिखा रहे हैं, क्योंकि कतर का सॉवरेन वेल्थ फंड अदाणी इलेक्ट्रिसिटी, मुंबई में एक प्रमुख निवेशक है। क्या इसीलिए जेल में बंद पूर्व नौसेना कर्मियों के परिजन जवाब के लिए दर–दर भटक रहे हैं।

सुरक्षा मामलों एवं इंटेलिजेंस इकाई से जुड़े एक पूर्व अधिकारी बताते हैं कि देखिये, जब ऐसा कोई मामला विदेश की जमीन पर होता है तो सरकार को बहुत सोच समझकर कदम रखना पड़ता है। कई बार ऐसे आरोप भी होते हैं, जिन्हें सार्वजनिक नहीं किया जा सकता।

अब नौ मन लकड़ियों में नहीं, गाय के गोबर के उपलों से जलेंगी चिताएं

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि श्मशान घाटों में इस्तेमाल होने वाली 50 फीसदी लकड़ियों की जगह गाय के गोबर से बने उपलों का प्रयोग किया जाए। इससे होने वाली आए का उपयोग गौशालाओं के प्रबंधन में किया जाए।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री आवारा पशु आश्रयों के प्रबंधन और राज्य में दूध उत्पादन की वर्तमान स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। आदित्यनाथ ने अधिकारियों से कहा कि श्मशान में इस्तेमाल होने वाली कुल लकड़ी का 50 प्रतिशत हिस्सा गाय के गोबर से बने उपलों में बदला जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा कि राज्य सरकार ने आवारा पशुओं और उनके चारे की सुरक्षा के लिए आवश्यक व्यवस्था की है। वर्तमान में 6,719 पशु संरक्षण स्थलों पर 11.33 लाख से अधिक गायों का संरक्षण किया जाता है।

जल्द एक दूजे के होंगे राघव–परिणीति!

नई दिल्ली एजेंसी। आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा और फिल्मी दुनिया की जानी मानी अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपने रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। भले ही इस कपल ने अब तक अपनी शादी और डेटिंग की खबरों को लेकर कोई भी ऑफिशियल घोषणा नहीं की है। अब खबर है कि दोनों की सगाई की तारीख सामने आ गई है। राघव चड्ढा और परिणीति चोपड़ा अभी इस मामले को लेकर चुप्पी साधे हुए हैं। दोनों के परिवारों ने भी किसी बात का खुलासा नहीं किया है। उनकी सगाई और शादी की खबरें भले ही आ रही हैं, लेकिन अभी किसी भी तरह की पुख्ता जानकारी सामने नहीं आई है। जब से परिणीति दिल्ली आई हैं तब से उनकी सगाई की चर्चा और तेज हो गई है। अब खबर आ रही है कि परिणीति और राघव इस महीने की 10 तारीख को सगाई कर सकते हैं। सूत्रों की मानें तो दिल्ली में एक इंगेजमेंट सेरेमनी के बाद दोनों अपने रिश्ते को ऑफिशियल करेंगे।

मूर्खाधिराज की उपाधि से विभूषित हुए 'आनंद'

संकल्प संस्था के महामूर्ख सम्मेलन में जुटे मूर्ख, रजत जयंती वर्ष में बही हास्य-व्यंग्य की फुहार

लोक पहल

शाहजहांपुर। विश्व मूर्ख दिवस के अवसर पर एसपी कॉलेज में सामाजिक और सांस्कृतिक संस्था संकल्प की ओर से आयोजित महामूर्ख सम्मेलन में शहर के तमाम मूर्खों का जमघट लगा। छोटे से लेकर बड़े मूर्ख यहां पधारे। संकल्प के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर इस बार महामूर्ख सम्मेलन का आयोजन भी कुछ खास रहा। एसपी कॉलेज में जब एसपी एस आनंद को मूर्खाधिराज की उपाधि से नवाजा गया तो लोगों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया। इसी क्रम में एसपी की पत्नी देवी आनन्द, सहायक नगर आयुक्त रश्मि भारती, वरिष्ठ अधिवक्ता संजीव अग्निहोत्री, वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ एके श्रीवास्तव को मूर्ख शिरोमणि की उपाधि से विभूषित किया गया। इसके साथ ही साथ लखनऊ से पधारे हास्य कवि शेखर त्रिपाठी व सीतापुर से आए कवि सौरभ जायसवाल को बज्र मूर्ख की उपाधि से विभूषित किया गया। मंच संचालक कवि डॉ इन्दु अजनबी को मूर्ख संचालक व संस्था संस्थापक डॉ अवधेश मणि त्रिपाठी

को मूर्ख संस्थापक की उपाधि से अलंकृत किया गया। इस मौके पर सभी सम्मानित विभूतियों ने अपने जीवन के हास्य अनुभवों को बांटा। हास्य कवि शेखर त्रिपाठी ने अपनी रचनाओं से खूब गुदगुदाया। उन्होंने सुनाया–

चौटिंग में एक सुंदरी पे दिल फिसल गया।
मेरा ही दांव पेंच था मुझको ही खल गया।
कलियुग में अब किसी पे भी होगा नहीं
यकीं, सोनी समझ के चौट की सोनू निकल गया।।

कवि सौरभ जायसवाल ने सुनाया– ड्राइवर न सही सवारी ही बना दो। एक तो तस्वीर हमारी भी बना दो। आडवाणी ने कहा पीएम बनने से रहे हम, मोदी जी हमे मंदिर का पुजारी ही बना दो ।।

कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक एस आनन्द ने मूर्खाधिराज के चित्र (आइना) का अनावरण कर मच्छर भगाने की अगरबत्ती जलाकर किया। सभी सम्मानितों को संस्था के सदस्यों व पदाधिकारियों द्वारा विशेष प्रकार की टोपी व सब्जियों, खिलौनों से बनी माला पहनाकर तथा बैगन रखी मटकी उपहार स्वरूप भेंट की गई। संयोजन में डॉ सत्यप्रकाश मिश्र, डॉ राकेश दीक्षित, डॉ अनुराग अग्रवाल, कृष्ण गोपाल बहल, त्रिलोकी नाथ पाण्डेय, आशापाल, ज्योति गुप्ता, गीता त्रिवेदी, उमेश मखीजा, डॉ केके शुक्ल, डॉ सुरेश मिश्र, डॉ एसके मिश्रा, जीसी मिश्रा, सुनील अग्निहोत्री, डॉ आरके अवस्थी, रश्मि सक्सेना, राकेश त्रिवेदी, अजय गुप्ता व प्रवीण मिश्र का सहयोग रहा।

देर रात तक चले हास्य अनुष्ठान में प्रमुख रूप से डॉ अवनीश मिश्र, हरमीत कौर, रेनू सक्सेना, ललिता यादव, श्रवण कुमार मिश्र, गीता पाण्डेय, महिमा शुक्ला, विपुल त्रिवेदी, डॉ आभा त्रिवेदी, पंकज मिश्र, प्रबन्ध त्रिपाठी, नितेश गुप्ता, अरुण कुमार दीक्षित, अंकित मिश्र, पद्मा गुप्ता, ज्ञानेंद्र मोहन ज्ञान, दिनेश रस्तोगी, लालित्य पल्लव, उमेश चंद्र सिंह, सरदार रवीन्द्र सिंह, ओंकार मनीषी, शोभित गुप्ता, निकुंज गुप्ता, मनोज शर्मा गोपाल, विवेक शर्मा, मनमोहन त्रिपाठी, उपेन्द्र शुक्ल समेत काफी संख्या में गणमान्य जन उपस्थित रहे।

युवाओं को औद्योगिक क्षेत्र में अवसर खोजने की जरूरतः प्रो. शर्मा

एसएस कालेज में आत्म निर्भर भारत पर व्याख्यान माला का आयोजन

लोक पहल

शाहजहांपुर। एसएस (पीजी) कॉलेज के वाणिज्य विभाग में आत्मनिर्भर भारत अभियान पर व्याख्यान माला में डीएन कॉलेज, मेरठ के वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रो एसके शर्मा ने कहा कि भारत को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने के लिए युवाओं को औधोगिक क्षेत्र में अवसर खोजने की अवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विभिन्न प्रकार के खेलों में प्रयोग होने वाली खेल सामग्री के निर्माण के क्षेत्र में स्वरोजगार के पर्याप्त अवसर हैं। उत्तर प्रदेश में मेरठ के अलावा कहीं भी खेल सामग्री का निर्माण उच्च स्तर पर नहीं किया जाता है। डॉ शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने अध्ययन काल में ही उद्यमिता की प्रवृत्ति उत्पन्न कर लेनी चाहिए।

राजकीय महाविद्यालय जलालाबाद के इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो एसके सिंह ने कहा कि भारत की प्राचीन अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर, समृद्ध एवं गौरवशाली थी। हमारी समृद्धि से आकर्षित होकर विदेशी शक्तियों ने भी हमारी अर्थव्यवस्था का लाभ उठाया। आज पुनः स्वावलंबी भारत के निर्माण की ओर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। डॉ कमलेश गौतम के संचालन में हुए कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष प्रो

अनुराग अग्रवाल ने धन्यावाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में डा गौरव सक्सेना, डॉ संतोष प्रताप सिंह, डॉ रूपक श्रीवास्तव, प्रकाश कुमार, दिव्यांश मिश्रा, यश कश्यप, देव सिंह कुशवाहा के अतिरिक्त बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

प्राथमिक विद्यालय तेरा में परीक्षाफल वितरित, मेधावी सम्मानित

लोक पहल

शाहजहांपुर। सिंधौली क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय तेरा में परीक्षा फल वितरित किया गया। साथ ही कक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

परीक्षा फल के साथ पुरस्कार पाकर छात्रों के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई पड़ी। स्कूल के प्रधानाध्यापक सरताज अली व प्रबंध समिति अध्यक्ष तजम्मुल खां ने रिजल्ट कार्ड के साथ ही सबसे अधिक अंक पाने वाले छात्रों को पुरस्कार देकर हौसला अफजाई की। प्रधानाध्यापक सरताज अली ने सभी छात्रों से प्रतिदिन विद्यालय आने और मेहनत से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक अध्यापक दीपा पुनिया ने किया। इस मौके पर वंदना, रामनरायन, गुडडी देवी, गीता देवी आदि मौजूद रहे।

संचारी रोगों के खिलाफअभियान का मंत्री सुरेश खन्ना ने किया शुभारंभ

लोक पहल

शाहजहाँपुर। शहर के गांधी भवन में संचारी रोगों के खिलाफ अभियान का शुभारंभ प्रदेश वित्तमंत्री सुरेश कुमार खन्ना व जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने झण्डी दिखाकर किया। इस अभियान के तहत जहां घर–घर जाकर संचारी रोगों के प्रति जागरूकता फैलाई जा रही है वहीं इन रोगों को नियंत्रित करने के लिए जांच और तेज की जाएगी।

मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आर.के.गौतम ने बताया कि जनपद में एक अप्रैल से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान शुरू हो गया है। यह अभियान 30 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान जनपदवासियों को

वेक्टर जनित रोगों, जल जनित रोगों व लू आदि से बचाव व उपचार के बारे में जागरूक किया जाएगा।

जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि जो बीमारी एक मरीज से दूसरे स्वस्थ व्यक्ति में दूषित भोजन, जल या संपर्क या कीट या जानवर से फैलती है उसे संचारी रोग कहते हैं। डॉ. एमपी गंगवार ने बताया कि जनपद में कालाजार का कोई मामला नहीं है वही हाथी पांव या लिम्फेडेमा के रोगियों को स्व–देखभाल के लिए एमएमडीपी किट वितरित की जा रही है और हाइड्रोसील के शत–प्रतिशत रोगियों की सर्जरी सुनिश्चित की जा रही है। इस अवसर पर राज्य सभा सांसद मिथलेश कुमार, सांसद अरुण सागर, विधायक चेतराम, मुख्य विकास अधिकारी , मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. पी.पी.श्रीवास्तव, जिला मलेरिया अधिकारी, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज मिश्रा, एसएमओ कुमार गुंजन, डीएमसी यूनिसेफ हुदा जेहरा उपस्थित रहे।

स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांड अम्बेसडर ने लोगों को सिखाए स्वच्छता के गुर

लोक पहल

शाहजहांपुर। महानगर में स्वच्छता अभियान की प्रभारी अल्पना श्रीवास्तव के आवास पर शहर को कैसे स्वच्छ रखा जाए इस संबंध में एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें महानगर की स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांड अम्बेसडर डॉ.पूजा त्रिपाठी पाण्डेय ने बैठक में उपस्थित लोगों से शहर को कैसे स्वच्छ रखा जाए इस पर विचार और सुझाव आमंत्रित करते हुए कहा कि यदि समाज सेवी संगठन, समाजसेवी या स्वच्छता पसन्द लोग यदि अपने अपने क्षेत्र में शुलभ शौचालयों को गोद लेकर उनकी नियमित देखभाल करें और गंदगी या कोई अन्य कमी दिखती है तो तत्काल नगर निगम के जिम्मेदार लोगों से सम्पर्क करें। जिस पर बैठक में उपस्थित प्रताप इंकलेव कालोनी निवासी अनुराग अग्रवाल ने अपने क्षेत्र में आने वाले सुलभ शौचालय को गोद लेते हुए उसकी नियमित देखभाल का भी वायदा किया।

इस अवसर पर डॉ.दीपा दीक्षित, तराना जमाल, विभा अग्रवाल, काजल यादव, डॉ.आकाश श्रीवास्तव, सचिन बॉथम आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

महिला सशक्तिकरण मेले का आयोजन

लोक पहल

शाहजहांपुर। वर्ष प्रतिपदा के उपलक्ष्य में राष्ट्र सेविका समिति द्वारा महिला सशक्तिकरण एवं स्वरोजगार मेले का आयोजन खत्री धर्मशाला में किया गया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा विभिन्न प्रस्तुतियां दी गई। राष्ट्र भक्ति से प्रेरित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार करते हुए नुक्कड़ नाटक एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। इस मौके पर जनपद के मेधावी बच्चों

व शिक्षकों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि समाजसेविका विमला बहन, पुलिस अधीक्षक की पत्नी देवी आनन्द व जिला पंचायत अध्यक्ष ममता यादव ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मेले का आयोजन विभाग कार्यवाहिका अनुराधा आर्या व महानगर कार्यवाहिका रेवा लक्ष्मी के निर्देशन में किया गया। मेले का संयोजन पूनम मेहरोत्रा व अल्पना श्रीवास्तव ने किया। वहीं मेला प्रभारी का दायित्व डा. संगीता मोहन ने निभाया। मेले का संचालन डा. किरण मलिक व डा. पूजा त्रिपाठी ने किया।

सूर्यकुमार पांडेय

सदाचारियो! औकात में रहो

व्यंग्य

लोकतंत्र में बहुमत की आवाज सुनी जाती है। भ्रष्टाचारियों को यह बात पहले पता नहीं थी। पता होती भी कैसे, वे तब अल्पमत में जो थे। जब इस मुल्क में भ्रष्टाचारियों ने बहुमत हासिल कर लिया, तब उन्हें शनैः शनैः अक्ल भी आने लग गई। अपने ऊपर हो रहे अत्याचार और अन्याय के खिलाफ खड़े होने के दिन आ गए थे। सो, वे एक–एक कर खड़े होने लग गए। इलेक्शन से लगाकर सेलेक्शन तक वे ही वे दिखलाई पड़ने लगे। सदाचार की लहलहाती हुई फसलों को चाटते हुए वे टिट्डियों की तरह पूरे देश के आसमान में छा गए।

एक परम भ्रष्टाचारी ने हवा में मुट्ठियां लहराते हुए ऐलान किया, "चंद सदाचारी लोगों को, जो अब शर्तिया अल्पमत में आ चुके हैं, मुंहतोड़ जबाव देने का सही वक्त आ चुका है। मुल्क के सारे भ्रष्टाचारियों एक हो जाओ भ्रष्टाचार जिंदाबाद, सदाचार मुर्दाबाद !" नारा लगाने वाले उस परम भ्रष्टाचारी की बात और मुट्ठी, दोनों में वजन था। उसकी अपनी मुट्ठी गरम थी, जिसमें से चांदी के सिक्के मुंह बाहर निकाले झांक रहे थे। उस जगह पर खड़े हुए बाकी के भ्रष्टाचारियों ने भी एक सुर में नारा गुंजाया, "भ्रष्टाचार जिंदाबाद!!' सदाचार मुर्दाबाद बोलने की नौबत ही नहीं आई। अचानक परम भ्रष्टाचारी की मुट्ठी ढीली पड़ गई। चांदी के सारे सिक्के औंधे मुंह जमीन पर आ गिरे। नारे कौन लगाता? भीड़ सिक्के लूटने में लग गई। लूट का ज्वार थमा। मुद्दा फिर लौटा। एक भ्रष्टाचारी दौड़ता हुआ गया और एक माइक ले आया। दूसरे ने थाम लिया।

बहुमत की वाणी गूंज उठीरू "भ्रष्टाचार आज के युग की मांग है। इस देश में समृद्धि तब तक नहीं आ सकती, जब तक भ्रष्टाचार को बढ़ावा नहीं दिया जाता है। हालांकि सरकारों में भी हमारे संवर्ग के लोग अपनी पैठ बना चुके हैं। लेकिन उनकी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं हमारे हितों की रक्षा में बाधक हैं। उन्हें अपने ही समाज की चिंता नहीं है। वे अंदर से तो हमारा समर्थन करते हैं,पर खुलकर सामने आने से हिचकिचाते हैं। सार्वजनिक स्थलों पर वे लोगसदाचारियों की हां में हां मिलाने लगते हैं। उनका यह कृत्य घोर निंदनीय है।

"गोपनीयता की आड़ में खाने वालों से हमें ऐसे आचरण की उम्मीद कतई नहीं थी। ऐसों से हमारी छवि धूमिल होती है। भ्रष्टाचार के महाभियान की राह में कांटे बिछने लग जाते हैं। अब हमें कांटे से कांटा निकालना ही होगा। आज

ईमानदारी के साथ नहीं, भ्रष्टाचार के जरिए सभी भ्रष्टाचारियों को एक राह पर लाने की जरूरत है। जो खिलाफ बोले, उसका मुंह बंद करना जरूरी है और मुंह बंद करने के तरीके हम भ्रष्टाचारियों को आते ही हैं।

"हमारी तो जनता से विनती है कि वे भी हमारा खुलकर समर्थन करें। अगली सरकार भी हम भ्रष्टाचारियों की ही बननी चाहिए। हमारा बहुमत स्वयंसिद्ध है। जिस दिन हमारी बन जाएगी, हम कोर्ट, कचहरी, थाना, सीबीआई सबकी एक ही अध्यादेश से छुट्टी कर देंगे। हम इन चंद दुच्चे सदाचारियों की अक्ल ठिकाने लगा देंगे।" इन सद् वचनों को सामूहिक ध्वनिमत से समर्थन हासिल हो गया।

भ्रष्टाचारियों की उस भीड़ में कुछ ऐसे लोग भी नजर आ रहे थे, जो मात्र समर्थन देना चाहते थे। उनका कहना था, वे भूतपूर्व भ्रष्टाचारी हैं। उन्हें जितना योगदान देना था, दे चुके। अब नए खून को आगे आना चाहिए। वे बाहर से समर्थन देते रहेंगे। बस, उनकी सुनी जाती रहे। जब तक वे अपने आप को उपेक्षित महसूस नहीं करेंगे, तब तक खामोशी से समर्थन देते रहेंगे। हां, उनकी यह बात जरूर मानी जानी चाहिए कि अगर नए भ्रष्टाचारी सर्वसम्मति से अपना कोई नेता चुनते हैं, तो वह हम समर्थनकारों की सलाह से ही चुनेंगे। यदि वह भूतपूर्व भ्रष्टाचारियों के परिवार से ही हो, तब वे बाहर की जगह अंदर से समर्थन देने पर भी विचार कर सकते हैं। अगर कभी भूले से भी सदाचारियों के साथ शक्ति–परीक्षण की नौबत आ जाए तो वे मतदान का बहिष्कार कर भ्रष्टाचारियों की जीत का रास्ता आसान बनाने में दिल खोलकर योगदान करने में सदैव तत्पर रहेंगे। यह सुनकर भ्रष्टाचारियों के हौसले बढ़ने की जगह चढ़ गए। वे चिंचियाने लग गए, "सदाचारियो! औकात में रहो।" देखते–देखते भ्रष्टाचारियों ने एक अलग दल गांठ लिया। सुनता हूं, उनके इस राष्ट्रीय दल को मान्यता मिल चुकी है। आज सर्वत्र उनकी गूंज है। भ्रष्टाचारियों की ऊंची आवाज के चलते जनता बहरी होती जा रही है।

गजल

इंसान महंगे हो गए

खून के रिश्ते कसैले हो गए।
बंद दरवाजे–दरीचे हो गए।
नाज में बीता है बचपन पर अरे,
भाइयों के बीच रिश्ते खो गए।
पत्नियों के पल्लुओं की ओट ले,
दूर अपने भाइयों से हो गए।
जब खड़ी दीवार आँगन में हुई,
तब कहीं ठंडे कलेजे हो गए।
सामने डालर के रुपया ही नहीं,
'ज्ञान' अब इंसान मँहगे हो गए।

ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान', शाहजहांपुर

क्षणिका

किसी के बास्ते खुजली खुशी की बात सही।
हमारे तन के लिए तो बवाल होता है, म
मंच पर जब भी दाद मिलती तो खुश हो जाऊँ,
जहाँ खुजलाया वहीं लाल लाल होता है।

दिनेश रस्तोगी
शाहजहांपुर

राम ही सत्य है, राम से मुक्ति है

रामनवमी पर विशेष

कुलदीप 'दीपक'
शाहजहांपुर

राम का नाम पावन परम पुण्य है,
राम में जग समाता चला जाएगा।
राम ही सत्य है, राम से मुक्ति है,
राम का नाम ही शेष रह जाएगा।

राम शिव ने जपा और शबरी रटा,
राम अदभुत कलाओं से परिपूर्ण हैं।
राम को जिस किसी ने उपेक्षित किया
उसका जीवन कभी न हुआ पूण है।

राम भक्तों पर चलवाई थीं गोलियां
आज वो गोलियां गालियां खा रहे।
जिसने संकल्प मंदिर का तब था लिया
आज वह मग्न हो स्तुति गा रहे।

राम को जो नहीं जान पाया यहां,
वह यहां का नहीं वह वहां का नहीं।।
राम को जान लो राम को मान लो,
राम से मुक्ति है और कुछ भी नहीं।

धैर्य और कोशिश का कमाल

सूर्यदीप कुशवाहा
वाराणसी

बोध कथा

एक बार की बात है। पांच मित्र जंगल से गुजर रहे थे। वे सभी आपसी बातचीत में कुछ ज्यादा ही व्यस्त थे। तभी उनमें से दो मित्र एक ज ग ह एक गड्ढे में गिर पड़े। बाकी मित्रों ने देखा कि उनके दो साथी बहुत गहरे गड्ढे में गिर गए हैं। गड्ढा गहरा था और इसलिए बाकी साथियों को लगा कि अब उन दोनों का गड्ढे से बाहर निकल पाना मुश्किल है।

साथियों ने गड्ढे में गिरे उन दो मित्रों को आवाज लगाकर कहा कि अब तुम खुद को मरा हुआ मानो। इतने गहरे गड्ढे से बाहर निकल पाना असंभव है। दोनों मित्रों ने बात को अनसुना कर दिया और बाहर निकलने के लिए कोशिश लगे। बाहर खड़े मित्रों में से किसी ने उनसे चीख कर कहा कि बाहर निकलने की कोशिश करना बेकार है। अब तुम बाहर नहीं आ पाओगे।

थोड़ी देर तक कूदा–फांदी करने के बाद भी जब गड्ढे से बाहर नहीं निकल पाए तो एक मित्र ने आस छोड़ दी और गड्ढे में और नीचे की तरफ लुढ़क गया। उसे निराशा के कारण दिल का दौरा पड़ा और वह वहीं मर गया। दूसरे मित्र ने फिर भी धैर्य और कोशिश जारी रखी और अंततः शाम में वह गड्ढे से बाहर निकल आया। जैसे ही दूसरा मित्र गड्ढे से बाहर आया तो तीनों साथियों ने उससे पूछा– जब हम तुम्हें कह रहे थे कि गड्ढे से बाहर आना संभव नहीं है तो भी तुम कोशिश रहे थे क्यों? इस पर उस मित्र ने जवाब दिया– दरअसल मैं किसी की बात कम सुनता हूँ और जब मैं ऊपर चढ़ने की कोशिश रहा था तो मुझे लगा कि आप मेरा हौसला बढ़ा रहे हैं और इसलिए मैंने कोशिश जारी रखी और देखिए मैं बाहर आ गया। सीख : धैर्य और हौसला रखकर कोशिश करने से मुश्किल से मुश्किल हालातों से निकला जा सकता है।

लिखने वाले लोगों की आत्मा की खुराक लेखन होती है

रेखा शाह आरबी
बलिया यूपी

व्यंग लिखने वाले व्यंग कार की आत्मा की खुराक कुछ ज्यादा ही लंबी चौड़ी होती है। वह कितना भी लिखे उसे कम ही लगता है जहां किसी व्यंग कार ने समाज में कोई विद्रूपता देखी उसे लिखने की भूख जाग उठती है। लेखक को लिखे बिना चौन मिल ही नहीं सकता। दरअसल लेखक एक अबोध बालक के समान होता है उसे लगता है कि वह अपने कलम से दुनिया को बदल देगा। अब कितना बदलाव हो रहा है यह सब तो आप भी देख रहे हैं। फिर भी अंतिम सांस तक वह कोशिश करता रहता है करता रहता है।

लेकिन आजकल मुझे खूब विषयाभाव हो गया है। पहले राजनीति से मेरे अंदर के व्यंग कार लेखक को भरपेट भोजन मिल जाता था । भोजन में मसालेदार सब्जी के साथ साथ चटनी और रायता भी खूब मिलता था। पर आजकल भूखों मरने की नौबत आ गई है क्योंकि भयंकर रूप से विषयाभाव हो गया है। कभी सपने में भी नहीं सोचा था ऐसा दिन आएगा। लेकिन आखिरकार ऐसा दिन आया। अब दिन कैसा आया है आप जनता से ज्यादा अच्छा कौन समझ सकता है आप पब्लिक है पब्लिक सब कुछ जानती है। पहले मजे से लिखती थी क्योंकि तब समाज में ढेर सारी विसंगतियां थी । लेकिन जब से राजनीति की सारी विद्रूपता दूर हो गई

है सारे नेता स्वच्छ छवि वाले, बेदाग, सेवाभावी , निस्वार्थ सेवा भाव वाले हो गए हैं। जनता की सारी समस्याएं दूर हो चुकी हैं। तब से मुझे राजनीति में कोई विषय ही नहीं मिल रहा है । भगवान किसी को इतना अच्छा भी नहीं होना चाहिए।

फिर मैंने सोचा अपने मनपसंद पुलिस विभाग पर ही व्यंग लिख डालु ।लेकिन जब से सारे पुलिस वाले ईमानदार, नैतिक नियमों को पालन करने वाले ,जनता को डंडे के बजाय बात से समझाने वाले, थाने में जाने पर गाली के बजाय आप कह कर बुलाने वाले, घुस और रिश्वतखोरी से कोसों दूर रहने वाले, एवं मृदुभाषी हो चुके हैं मैंने अपना माथा पीट लिया है आखिर इन्हें क्या जरूरत है इतना अच्छा होने की ईश्वर इनको इतना अच्छा होने की सजा जरूर देना इन्होंने मुझे बेरोजगार कर दिया है। आखिर किसी का रोजगार मारना कहां की शराफत है।

फिर सोचा मैंने देश की अदालतों एवं वकील पर ही कोई व्यंग लिख डालु, पर वहां का दृश्य तो और ही बदला हुआ दिखा मुझे... लोक अदालतों के चक्कर लगाने वाले लोग सुबह से शाम में न्याय पा जा रहे हैं, सबको न्याय समान रूप से मिलने लगा है बिना भेदभाव मिल रहा है। एक भी केस पेंडिंग नहीं है शाम को हुआ जुर्म सुबह तक न्याय मिल जा रहा है। फिर मैं किस मुंह से इन लोगों पर व्यंग लिखूं... ईश्वर ऐसा बुरा दिन किसी लेखक को किसी को ना दिखाएं। जैसा मुझे दिखा रहे हैं।

फिर मैंने सोचा सबको छोड़िए देश की बेरोजगारी पर ही कुछ लिख लिया जाए यह भी एक व्यंग के लिहाज से बहुत अच्छा विषय है लेकिन जब से देश के सारे नौजवानो को सरकारी नौकरियां उपलब्ध हो गई है और सब के कार्य में व्यस्त हो जाने की वजह से अपराध शुन्य हो चुका है। मैं तो एकदम निराश हो चुकी हूं। लगता है व्यंगकरिता के बजाय दूसरा रोजगार अपनाना पड़ेगा।

गजल

आपकी मुझ पर इनायत जब हुई

आप मत समझें कि हम मगरूर हैं।
वक्त के हाथों बहुत मजबूर हैं।
आप में ही हैं कहीं मौजूद हम,
कौन कहता हो गए हम दूर हैं।
आपकी मुझ पर इनायत जब हुई,
हो गए तब से बहुत मशहूर हैं।
हर किसी के साथ दिल से हम जुड़े,
इसलिए सबके हुए मशकूर हैं।
कामियाबी जब हुई हासिल 'विकास',
हो गए सबकी नजर में नूर हैं।

विकास सोनी 'ऋतुराज'
शाहजहांपुर

गजल

बसे हैं राम सबमें फिर भला क्यूँ

यहाँ अब कौन किसका सोचता है।
महज मतलब से सबका वास्ता है।
मुहब्ब्त में बड़ा खामोश था जो,
वही गुस्से में सबकुछ बोलता है।
न इतराना कभी शोहरत पे अपनी,
समय का कब भला किसको पता है।
बसे हैं राम सब में फिर भला क्यूँ,
भटकता है किसे तू ढूँढता है।
मिला नजरें कभी खुद से भी 'पारस',
कमी क्यों दूसरों में देखता है।

विकास शर्मा 'पारस'
शाहजहांपुर

सम्पादकीय

एक बार फिर चीन की भारत को चुनौती

एक बार फिर चीन ने अपनी चालबाजी दिखाई है। उसने भारत वाले हिस्से में अरूणांचल प्रदेश की 11 जगहों के नाम बदलकर एक बार फिर भारत को चुनौती देने का काम किया है। इससे पहले भी दो बार चीन अरूणांचल में कई जगहों के नाम बदल चुका है। वैसे तो जब भी किसी वैश्विक मंच पर मौका मिलता या किसी मुद्दे पर द्विपक्षीय बातचीत का सिलसिला चलता है, तो चीन, भारत के प्रति अपनी मैत्री भावना का प्रदर्शन ही करता है। मगर फिर मौका मिलते ही वह अपनी विस्तारवादी नीतियों को आगे बढ़ाने में जुट जाता है। इसी का ताजा उदाहरण है कि भारत वाले हिस्से में अरुणाचल की ग्यारह जगहों के नाम उसने बदल दिए हैं।

पिछले पांच सालों में यह तीसरी बार है, जब चीन ने अरुणाचल में गांवों, नदियों, दर्रों आदि के नाम बदल कर अपना नया नाम दे दिया है। इससे पहले 2017 में छह और 2021 में पंद्रह जगहों के नाम बदल दिए थे। उसके ताजा कदम को भी वहां के नागरिक मामलों के मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। इस पर भारत के विदेश मंत्रालय ने सख्त एतराज जताया है। मंत्रालय ने कहा है कि नाम बदल देने से हकीकत नहीं बदल जाती।

दरअसल, चीन सदा से अरुणाचल को अपना हिस्सा मानता रहा है, इसलिए उसे भारत के नक्शे में दर्शाता ही नहीं। मगर पिछले पांच–सात सालों में जिस तरह भारत के हिस्से वाले विवादित इलाकों पर उसने न सिर्फ अपना हक तेजी से जताना शुरू किया है, बल्कि इसके लिए दोनों देशों की सेनाएं भी आमने–सामने हो जाती रही हैं, उसे लेकर चिंता गहराना स्वाभाविक है।

चार साल पहले गलवान घाटी में दोनों देशों की सेनाएं इसलिए गुत्थमगुत्था हो गई थीं कि चीन ने भारत वाले इलाके में निर्माण गतिविधियां तेज कर दी थी और उसके सैनिक भारतीय इलाके में घुस आए थे। करीब साल भर तक वहां तनाव बना रहा। फिर जब दोनों देशों की सेनाओं ने पीछे हटने का फैसला किया, तब भी चीन ने भारत के हिस्से वाले बड़े भूभाग पर अपनी दावेदारी बनाए रखी थी।

कुछ सूत्रों के हवाले से यहां तक दावा किया गया कि चीन ने उन इलाकों में अपने गांव बसा लिए थे। उसके बाद चीन के विदेश मंत्रालय और सेना के वरिष्ठ अधिकारियों की तरफ से आश्वस्त किया गया कि चीन भारत के भीतर अशांति पैदा नहीं करेगा। मगर फिर भी उसकी हरकतें नहीं रुकीं। करीब ढाई साल पहले उसने अरुणाचल में पंद्रह जगहों के नाम बदल कर मानकीकृत कर दिया था। अब ग्यारह और स्थानों के नाम बदल दिए हैं।

हालांकि कोई भी देश किसी जगह का नाम इस तरह अपने नक्शे में नहीं बदल सकता। इसके लिए उसे संयुक्त राष्ट्र में सूचना देनी पड़ती है। ऐसे में चीन न सिर्फ भारत के खिलाफ, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के विरुद्ध भी मनमानी कर रहा है। छिपी बात नहीं है कि अरुणाचल वाले इलाके में घुसपैठ करके चीन न सिर्फ अपनी सीमा का विस्तार करना चाहता है, बल्कि इस तरह अपनी सेनाओं की तैनाती कर भारत पर लगातार दबाव बनाए रखना चाहता है। अरुणाचल का इलाका उसके लिए सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, इसलिए वह वहां जब–तब घुसपैठ की कोशिश और भारतीय सेना को छकाने का प्रयास करता रहता है। मगर इस घटना से एक बार फिर भारत सरकार विपक्ष के निशाने पर जरूर आ गई है।

बेजुबान की वेदना पर 'योगी एक्शन'

शिशिर शुक्ला
शाहजहांपुर

विगत उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्र सरकार द्वारा पशुओं के संरक्षण एवं रोगों से उनके बचाव के उद्देश्य को लेकर शुरू की गई 'पशुधन स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण योजना' के क्रियान्वयन के तहत एक महत्वपूर्ण पहल को अंजाम दिया। मुख्यमंत्री के द्वारा 201 करोड़ रुपए की लागत से 520 मोबाइल वेटरनरी यूनिट को उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों के लिए रवाना किया गया। साथ ही साथ पशुधन हेतु रोगों के इलाज को सुगम व सुलभ बनाने हेतु टोल फ्री हेल्पलाइन–1962 सेवा का भी शुभारंभ किया गया। योगी सरकार की इस पहल के साथ ही उत्तर प्रदेश पशुधन के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रयास को लेकर अपने आप में एक अनूठा उदाहरण बन गया है। एक आंकड़े के अनुसार भारत की लगभग 70 फीसदी आबादी कृषि एवं पशुपालन पर आश्रित है, लिहाजा कहीं न कहीं देश की अर्थव्यवस्था में भी पशुपालन का एक अहम योगदान है। विश्व में गायों की कुल संख्या का लगभग 15 प्रतिशत भारत में मौजूद है, साथ ही भारत के पशुधन का सर्वाधिक प्रतिशत उत्तर प्रदेश में पाया जाता है। संभवतः यही कारण है कि उत्तर प्रदेश दुग्ध उत्पादन में संपूर्ण भारत में प्रथम स्थान पर है और भारत इस मामले में पूरे विश्व में अव्वल दर्जा रखता है। वस्तुतः पशुपालन का व्यवसाय उन किसानों के लिए अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण है जो भूमिहीन अथवा लघु व सीमांत किसानों की श्रेणी में आते हैं। जो किसान बड़े पशुओं जैसे गाय, भैंस इत्यादि को पालने में अक्षम हैं, वे भेड़, बकरी, मुर्गी इत्यादि छोटे पशुओं के माध्यम से अपना जीवनयापन करते हैं। भारत में भूमिहीन, लघु व सीमांत किसानों का प्रतिशत अच्छा खासा होने के कारण पशुपालन की जीविकोपार्जन में एक बड़ी भूमिका है। पशुओं में होने वाले रोग इतने प्रकार के एवं इतने गंभीर होते हैं कि तनिक भी लापरवाही अथवा चूक होने पर उन्हें जान से हाथ धोना पड़ जाता है। एन्थ्रेक्स, खुरपका, मुंहपका, पोंकनी, गलघोंटू, निमोनिया, चेचक, थनैला, गिल्टी, लंगड़ा बुखार आदि न जाने कितने

ऐसे रोग हैं जो पालतू पशुओं को अपना शिकार बना लेते हैं। बेचारा जानवर बेजुबान होने के कारण अपनी पीड़ा को व्यक्त भी नहीं कर पाता और इस कारण ये सभी रोग उपचार के अभाव में पशुओं के लिए जानलेवा सिद्ध हो जाते हैं। नतीजा यह होता है कि बेचारे गरीब किसान को पशुधन से हाथ धोने के साथ–साथ अपनी आजीविका पर भी संकट का सामना करना पड़ जाता है।

गोवंश के संरक्षण हेतु योगी सरकार ने निस्संदेह अभूतपूर्व एवं उत्कृष्टतम प्रयास किया है। 'पशु उपचार पशुपालक के द्वार' योजना के माध्यम से पशुपालकों को यह सुविधा उपलब्ध रहेगी कि पशु के बीमार अथवा घायल होने की स्थिति में टोल फ्री नंबर 1962 पर सूचना देने पर एक घंटे के अंदर वेटरनरी यूनिट उसके दरवाजे पर पहुंच जाएगी। मोबाइल वेटरनरी यूनिट में चिकित्सक एवं औषधियों की व्यवस्था रहेगी जो रोगग्रस्त पशु को पूर्णतया निशुल्क उपचार प्रदान करेगी। निस्संदेह इस योजना के माध्यम से बीमार एवं किसी भी प्रकार से घायल हुए पशुओं को अस्पताल ले जाने के स्थान पर तुरंत एवं वहीं पर इलाज की सुविधा उपलब्ध रहेगी और नतीजतन रोगों के माध्यम से पशुओं की होने वाली मौतों की संख्या घटेगी। इसके साथ ही पशुओं के उपचार में आने वाले खर्च का बोझ गरीब पशुपालकों पर न पड़ने के कारण उन्हें बड़ी राहत मिलेगी। उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने बजट के माध्यम से भी पशुओं पर विशेष ध्यान केंद्रित किया है। हाल ही में छुट्टा पशुओं की समस्या एवं उनके कारण होने वाले नुकसान का मुद्दा एक गंभीर एवं कहीं न कहीं राजनीतिक मुद्दा बन गया है। योगी सरकार ने इस समस्या से निजात पाने के लिए 750 करोड़ रुपए के बजट की व्यवस्था की है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक जिले में एक मॉडल गौशाला, निराश्रित गोवंश के लिए नए आश्रयस्थलों का निर्माण, प्रति गोवंश 900 रुपये प्रतिमाह भुगतान के साथ–साथ पशुओं के रोगों पर नियंत्रण पाने के लिए 100 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है।

निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश सरकार बेजुबान की वेदना को मानवता के चक्षुओं से देखकर उसके निवारण के लिए ठोस व सक्रिय कदम उठाने वाली सरकार है। नवीन बजट के प्रावधानों के अमल में आने के उपरांत निश्चित रूप से आवारा पशुओं के कारण होने वाली क्षति की समस्या दूर होगी एवं साथ ही साथ पशुओं के रोगों पर काबू पाकर उन्हें स्वास्थ्य वरदान भी मिल सकेगा। पशुपालकों के पास स्वस्थ पशुओं का होना एवं आवारा पशुओं का गौशालाओं में आश्रय कहीं न कहीं अर्थव्यवस्था की प्रगति में योगदान करेगा।

भौतिकता की धुंध में घिरा चरित्र निर्माण

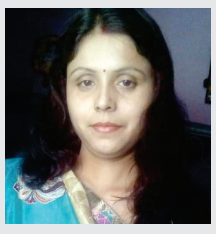

रानी प्रियंका
हरियाणा

दसवीं और बारहवीं की परीक्षा समाप्त हो गई है। सारे अभिभावक अपने–अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित दिख रहे। लेकिन यह चिंता बस भौतिक उपलब्धियों को लेकर है। हर कोई चाहता है उसका बच्चा इस भौतिक प्रतियोगिता, भौतिक उपलब्धियों के दौड़ में आगे निकल जाए। इसी को लेकर आपाधापी मची है। इस आपाधापी में शिक्षा का मूल मकसद गौण हो गया है। शिक्षा, उच्च शिक्षा आखिर किसलिए? क्या वास्तव में बड़ी से बड़ी नौकरी के योग्य बना देना ही शिक्षा का मूल मकसद है?

सही मायने में शिक्षा का अर्थ हैं विद्योपार्जन। सद्ज्ञान और सद्विवेक शिक्षा की देन हैं। जो शिक्षा प्रणाली है उजमे प्राथमिक विद्यालय से लेकर उच्च विद्यालयों तक और महाविद्यालयों से लेकर विश्वविद्यालयों तक अध्ययन करते हुए छात्र कम से कम 18–20 वर्ष व्यतीत करते हैं। जीवन के इस महत्वपूर्ण वर्षों के निवेश का लक्ष्य ज्ञानार्जन मात्र होता हैं। यह ज्ञानार्जन कुछेक विषयों का होता हैं। आशा अपेक्षा की जाती है उन विषयों का अध्ययन कर वे इस योग्य बन जाएंगे कि अपना जीवन सुखपूर्वक बीता सकें। देश के शिक्षित व जागरूक नागरिक के रूप में अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे।

लेकिन दुखद सच्चाई हैं कि आज छात्र पढ़ने को तो पढ़ते हैं,परंतु वे ज्ञानोंपार्जन नहीं कर पाते हैं। उनमें अधिकांश को तो भले–बुरे को सही ढंग से समझने का विवेक तक नहीं मिल पाता। दूसरी ओर रोजी–रोटी, ज्ञान और रोजगार के अभाव में उनकी उपलब्धियां दो कौड़ी की होती हैं। संभावित बेकारी की समस्या उनपर हावी रहती हैं। नतीजा होता है वे खयाली पुलाव पकाने में खोये रहते हैं और फिर बेहद निराश होते हैं।

ऐसी स्थिति बनने का मूल कारण है कि आज के शिक्षाक्रम में चरित्र– निर्माण का कोई स्थान नहीं हैं। चरित्र निर्माण को कोई महत्व दिया जाता हैं। जबकि हमारी संस्कृति में गुरु और शिष्यों का संबंध बहुत ही सुंदर और सुखद हुआ करता था। दोनों का एक दूसरे पर विश्वास हुआ करता था। गुरु स्नेह करते थे। पिता पुत्रीवत व्यवहार रखा करते थे। शिष्य भी गुरु को पिता तुल्य और विश्वसनीय समझते थे। गुरु और शिष्यों का व्यापारिक संबंध नहीं होता था। बल्कि यह संबंध सीखने– सिखाने का होता था। पढ़ने–पढ़ाने का होता था। पढ़ने पढ़ाने के माध्यम से आध्यात्मिक संबंध हो जाता

था,जो घनिष्ठ हुए बिना नही रह सकता था।

आजकल आए दिन ऐसी–ऐसी शर्मनाक बातें पढ़ने को मिलती हैं जिन्हें पढ़कर मन दग्ध हो जाता हैं। शिष्य आए दिन दिन–दहाड़े किसी शिक्षक को कम नम्बर देने पर चाकू मार देते हैं या फिर किसी गुरु द्वारा छात्रा का शोषण किया जाता हैं। ऐसी शर्मनाक बातों से मन खिन्न हो उठता हैं। इस स्थिति के लिए दोष हम किसे दें। मेरी समझ में इसका मौलिक कारण चरित्र गठन पर ध्यान न देना और छात्रों पर शिक्षक वर्ग के नैतिक प्रभाव का न होना ही हैं। छात्रों के सही चरित्र निर्माण के लिए न केवल उनके जीवन से जुड़ी शिक्षा अनिवार्य हैं,बल्कि शिक्षा–काल में हमेशा रचनात्मक कार्यक्रमों में व्यस्त रहना भी अनिवार्य हैं।

प्रायः देखा यही जा रहा हैं की किताबी अध्ययन में छात्र व्यवहारिक, सार्थक एवं रचनात्मक ज्ञान ना के बराबर अर्जित कर पाते हैं। कोई सम्यक दिशा निर्देश नहीं मिल पाता हैं उन्हें। बची–खुची कसर शिक्षा के बाद अनिवार्य रूप से मिलने वाली बेकारी का आतंक पूरा कर देता हैं। पढ़–लिखकर भी जब छात्र बेकार रह जाता हो,अपनी आजीविका के लिए परिवार अथवा घटिया गोरखधंधों पर निर्भर कर रहा हो और निरंतर मानसिकहीनता का शिकार बन रहा हो, तो हम उससे क्या उम्मीद कर सकते हैं।

चरित्र के अभाव में किसी देश का सम्यक विकास नही हो सकता हैं। किसी देश के चरित्र का अर्थ हैं उसके नागरिकों का चरित्र। नागरिकों का चरित्र बुनियाद है। चरित्रवान नागरिक जब ज्ञानवान होते हैं तभी साहित्य–विज्ञान आदि क्षेत्रों में काम कर पाते हैं। वे कुछ उपलब्धियां प्राप्त कर पाते हैं। पर ज्ञानवान होना विद्योपार्जन के बिना असंभव हैं। विद्योपार्जन तभी संभव हैं जब उनकी प्राप्ति करने के लिए वह लगनशील रहें।सीख सुने,सुझाए मार्ग पर चले। इसी प्रकार चरित्र निर्माण के लिए सदशिक्षा अत्यावश्यक हैं। इसके अभाव में सच्चरित्र की कल्पना करना भी मूर्खता ही होगी। आज जरूरी हैं अच्छी शिक्षा व्यवस्था की,मधुर छात्र–अध्यापक संबंध की। यह अपने आपमें हर दृष्टि से महान काम हैं। याद रखने की जरूरत है कि चरित्र– निर्माण पारिवारिक एवं सामाजिक सुखों की कुंजी हैं।चरित्रवान तथा ज्ञानवान नागरिक ही परिवार और समाज का दुर्बह भार उठा सकता हैं।

कमीशन का खेल, एजुकेशन ऑन सेल

■ ड्रेस, किताबें और फीस के खर्च में छूटे अभिभावकों के पसीने

लोक पहल

शाहजहांपुर। नवीन शैक्षिक सत्र आरंभ हो चुका है एक ओर जहां सरकारी स्कूलों में एडमीशन को लेकर मारा मारी है वहीं दूसरी ओर निजी स्कूल अभिभावकों की जेब पर सीधा डाका डाल रहे है। कान्वेन्ट स्कूलों में तीन माह की एक साथ फीस जमा कराये जाने के साथ ही एडमीशन फीस, विकास शुल्क व अन्य तमाम तरह के शुल्क के नाम पर मोटी रकम अदा करने के साथ ही महंगी किताबें खरीदने को भी मजबूर किया जा रहा है। बताया जाता है कि कुछ निजी स्कूलों के कोर्स का सेट 10 से 12 हजार तक में मिल रहा है ऐसे में अभिभावकों के पसीने छूट रहे हैं। इतना सब होने के बाद भी शिक्षा माफियाओं पर प्रशासन चुप्पी साधे हुए है और प्रशासन की चुप्पी हो भी क्यों न क्योंकि स्कूलों की यूनियन के नेता हर समय उनके ईद–गिर्द मंडराते जो रहते है। कान्वेन्ट स्कूलों में निजी प्रकाशकों की पुस्तकें जबरन चलायी जा रही है जिनकी कीमत एनसीईआरटी की किताबों से 4 से 5 गुना ज्यादा है। कमीशन का यह खेल शिक्षा के क्षेत्र में खुलेआम चल रहा है। तमाम अभिभावकों से जब इस मुद्दे पर बात की गई तो उन्होंने बताया कि हर स्कूल की दुकान निश्चित है। यदि किसी दूसरी दुकान पर कोर्स लेने जाओ तो वहां किताबें ही नहीं मिलती है। जबकि स्कूल की सेटिंग वाली दुकान पर पूरा सेट हर समय बढ़े हुए दामों पर तैयार मिल जाता है। यह दुकानदार अभिभावकों को कोई भी रियायत देने को तैयार नहीं है। यहां तक कि किताबों के कबर, स्टेशनरी और कापियों को भी बाजार से महंगे दामों पर बेचा जा रहा है। एनसीईआरटी की 256 चन्नों की एक किताब का मूल्य सिर्फ 65 रूपये है जबकि निजी प्रकाशक की करीब 170 पन्नों की किताब 305 रूपये में मिल रही है। अपने बच्चों के लिए किताबें खरीदने पहुंचे एक अभिभावक ने बताया कि दुकान पर बस केवल स्कूल का नाम बता दो और वह आपको पुस्तकों का पूरा सेट थमा देंगे। आखिर बिना स्कूल और पुस्तक विक्रेता की मिली भगत से यह कैसे संभव है। पुस्तक विक्रेता को आखिर यह ज्ञान कहां से मिलता है कि कौन सा विद्यालय कौन सी पुस्तक चला रहा है। अभिभावको के हो रहे शोषण को लेकर उनमें काफी रोष है। स्कूल और निजी प्रकाशकों की दादागिरी पर प्रशासन पर भी मौन है और अभिभावकों के हित में कुछ भी करने को तैयार नहीं है। अभिभावकों का भी यही सवाल है कि आखिर ऐसी कौन सी किताबे स्कूल वाले पढ़ा रहे है जो 500 से 600 रूपये में मिल रही है। जितने का बिल दुकानदार दे उतने का भुगतान करना अभिभावक की मजबूरी है आखिर उसके नौनिहाल के भविष्य का सवाल जो ठहरा। शहर के कई पुस्तक विक्रेताओं की दुकानों पर अभिभावकों की लम्बी कतारें देखी जा सकती है। बताया जाता है कि कुछ दुकानदारों ने शहर के कई स्कूलों से कान्टेक्ट कर रखा है जिसमें कमीशन का खेल भी जमकर चलता है। केवल किताबें ही नहीं कापियों, किताबों के कवर, स्टेशनरी, बैग आदि भी बाजार से महंगे दामों पर बेची जा रही है। फिलहाल अभिभावकों की जेब पर पड़ रहे डाके को लेकर प्रशासन ने कोई कार्यवाही करना अभी तक उचित नहीं समझा है।

डा. अनुराग अग्रवाल को उ.प्र. शासन से मिली शोध परियोजना

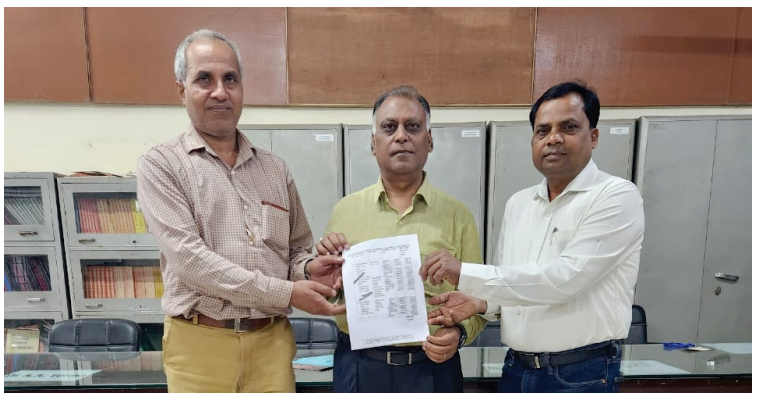

लोक पहल

शाहजहाँपुर। उत्तर प्रदेश सरकार की ''रिसर्च एण्ड डेवलपमेण्ट'' योजना के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश शासन ने एसएस कॉलेज, शाहजहाँपुर के उपप्राचार्य एवं वाणिज्य विभागाध्यक्ष प्रो० अनुराग अग्रवाल की शोध परियोजना स्वीकृत की है। वह उत्तर प्रदेश के महाविद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों में स्वावलंबी भारत अभियान के प्रति अभिवृत्ति, जागरूकता और तत्परता का अध्ययन करेंगे। शोध कार्य में सहयोग हेतु इसी महाविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कमलेश गौतम को सह–शोधकर्ता के रूप में अनुमोदित किया गया है। प्रो. अग्रवाल ने इस उपलब्धि को स्वामी चिन्मयानन्द सरस्वती का आर्शीवाद बताया। राजकीय महाविद्यालय जलालाबाद के प्रो. एस के सिंह ने नोडल अधिकारी की ओर से प्रो. अनुराग और डा कमलेश को शासन से प्राप्त अनुमोदन पत्र सौपा। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के सचिव प्रो एके मिश्रा, प्राचार्य प्रो. आरके आजाद, प्रो. आलोक मिश्रा, प्रो. आदित्य कुमार सिंह, डॉ. आलोक कुमार सिंह, डॉ. बरखा सक्सेना आदि अनेक शिक्षकों ने प्रो. अनुराग और डॉ. कमलेश को बधाई दी।

मोटे अनाज की उपयोगिता पर गोष्ठी का आयोजन

लोक पहल

शाहजहाँपुर। बाल विकास विभाग के तत्वाधान में पोषण पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत ''मोटा अनाज (मिलेट) एवं इसकी उपयोगिता'' पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा स्टाल लगाकर लोगों को पोषण में मोटे अनाज की उपायोगिता तथा अन्य विषयों पर जानकारी दी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह द्वारा पोषण के संबंध में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए अपेक्षा की कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाये। जिलाधिकारी सिंह ने कहा कि आंगनवाडी आधारभूत इकाई है और सामाजिक परिवर्तन एवं व्यवहार परिवर्तन हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण है। फास्ट फूड एवं जंक फूड के दुष्प्रभाव के विषय में बताते हुये उन्होने कहा कि खान पान विगड़ने से बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होने कहा कि मोटे अनाज की उपयोगिता को देखते हुये प्रशासन स्तर पर इसके प्रचार प्रसार हेतु अभियान चलाया जा रहा है।

गोष्ठी में उपनिदेशक कृषि प्रसार जिला विकास अधिकारी, कृषि विज्ञान केंद्र से विशेषज्ञ वैज्ञानिक एनपी गुप्ता डॉ. नूतन डॉ. विद्या, खाद एवं रसद विभाग, चिकित्सा विभाग के अधिकारी, कृषि रक्षा अधिकारी एफपीओ, गंगा समिति के श्री पांडे, कमलेश बाल विकास परियोजना अधिकारी भावलखेड़ा, मुख्य सेविका किंचित रेखा, पूनम एवं गीता तथा शुभम वर्मा, जिला कार्यक्रम कार्यालय से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन युगल किशोर सांगुडी बाल विकास परियोजना अधिकारी शहर द्वारा किया गया। गोष्ठी के समापन पर जिला कार्यक्रम अधिकारी अरविंद रस्तोगी द्वारा समस्त आगंतुकों तथा आयोजन में सहयोग करने वाले समस्त लोगों का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया गया।

एसएसएमवी का परीक्षाफल वितरित, मेधावी पुरस्कृत

लोक पहल

शाहजहांपुर। श्री शंकर मुमुक्षु विद्यापीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सत्र 2022–23 का वार्षिक परीक्षा फल वितरित किया गया, जिसमें प्रत्येक कक्षा मे प्रथम,द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को प्रधानाचार्या डॉ संध्या ने पुरस्कृत किया। कक्षा नर्सरी में शत प्रतिशत अंक प्राप्त कर कुशाग्र सक्सेना व अभ्यांश अग्निहोत्री ने प्रथम, 99.8 प्रतिशत अंक के साथ शिवाय यादव ने द्वितीय व 98 प्रतिशत अंक के साथ वरद माधव व कृष्णा अग्निहोत्री ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जूनियर विंग में कक्षा टस । में अनुष्का गुप्ता पहले, वंशिका खन्ना दूसरे , अनुज्ञा गुप्ता तीसरे स्थान पर रही।

सीनियर विंग की कक्षाओं में कक्षा IX A में यशी बाजपेई ने प्रथम, अनन्या मिश्रा ने द्वितीय, आयुष बाजपेई ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी कक्षाओं में रैंक होल्डर्स को प्रधानाचार्या डॉ संध्या ने विद्यालय प्रबंध समिति की ओर से पुरस्कृत किया व समस्त छात्र छात्राओं को शुभकामनाएं दी।कार्यक्रम के आयोजन में विद्यालय स्टाफ का योगदान रहा।

सोलर कैमरों से लैस होगी मॉडल ग्राम पंचायत भटपुरा रसूलपुर

कैमरे लग जाने से ग्राम पंचायत रहेगी सुरक्षित : अनिल गुप्ता

लोक पहल

शाहजहांपुर। जनपद शाहजहांपुर की मॉडल ग्राम पंचायत भटपुरा रसूलपुर जोकि कई पुरस्कार पा चुकी है, मॉडल ग्राम के प्रधान अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि ग्राम पंचायत के प्रत्येक तिराहे ,चौराहे पर अब सोलर सिस्टम के 4जी कैमरे लगाए जा रहे हैं, इन कैमरों के लग जाने से ग्राम पंचायत पूर्णतया सुरक्षित हो जाएगी। इन कैमरों में माइक भी लगा हुआ है, और इनमे पूरे महीने की रिकॉर्डिंग हर समय मौजूद रहेगी। यह सभी कैमरे ग्राम वासियों के मोबाइल से सीधे जुड़ेंगे। ग्राम प्रधान के अनुसार इस कार्य के हो जाने से हमारे ग्राम में चोरी की घटना बिल्कुल बंद हो जाएगी, कोई भी व्यक्त गाड़ी, ट्रैक्टर ,ट्राली, मोटरसाइकिल ,जानवर आदि नहीं चुरा पाएगा, और कोई भी व्यक्ति नाजायज असलाह लेकर नहीं घूम सकेगा, लड़ाई झगड़े की भी गुंजाइश बहुत कम हो जाएगी क्योंकि प्रत्येक क्राइम की गतिविधि कैमरों में रिकॉर्ड रहेगी ।

टीवी मरीज का हाल जानने पहुंचे सांसद मिथिलेश कुमार

लोक पहल

शाहजहांपुर। राज्यसभा सांसद मिथिलेश कुमार ने विकासखंड खुटार के गांव नवदिया मनकंठ में गोद दिए गए टीवी मरीज रेखा देवी पत्नी रामरहीस के घर पहुंचे। जहां सांसद ने रेखा देवी का कुशलक्षेम जाना तथा उनको अंग वस्त्र एवं पुष्टाहार सामग्री वितरित की। इस दौरान सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान प्रधानमंत्री की नागरिक–केंद्रित नीतियों का विस्तार है। अब भारत ने देश से टीबी की बीमारी को हराने का संकल्प लिया है, और 2025 तक देश को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। इस दौरान साथ में मनोज त्रिवेदी बीडीसी, सुरेश वर्मा भाजपा नगर उपाध्यक्ष, मुनीष तिवारी, पप्पू यादव, राम लडैते मौर्या, विकास गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

अम्बेडकर की शिक्षाओं को आत्मसात करने की जरूरत

लोक पहल

शाहजहांपुर। दि बुद्धिस्ट सोसाइटी आफ इंडिया के तत्वावधान में अप्रैल माह को अम्बेडकर माह के रूप में मनाए जाने की श्रृंखला में एक गोष्ठी का आयोजन पुवायाँ रोड स्थित बुद्ध विहार में किया गया।

डॉ0 रामसागर यादव की अध्यक्षता में कवि ज्ञानेन्द्र मोहन 'ज्ञान', सुरेश पाल सिंह, मलिखान सिंह दिनकर, तोताराम, गायरी लाल, शैलेन्द्र कुमार, अनूप कुमार, योगेश कुमार, विनोद कुमार छावला, जापान सिंह, दिनेश चंद्र, राजपाल गौतम, वीरेंद्र प्रताप, मातादीन वर्मा, लालाराम सागर, सत्यपाल, अमृता सागर आदि ने भारतरत्न डॉ0 बी आर अम्बेडकर की विदेशों में अर्जित उच्च शिक्षा और उनके संघर्षपूर्ण जीवन पर विस्तार से चर्चा की। इसके अतिरिक्त वक्ताओं ने प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले के संघर्षपूर्ण जीवन पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन सोसाइटी के जिलाध्यक्ष रामसेवक गौतम ने किया। कार्यक्रम के पूर्व में भंते चंद्र रत्न के साथ बुद्ध वंदना एवं त्रिसरण पाठ किया गया तथा संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

स्थापना दिवस पर प्रदेश के तीस हजार गांवों तक पहुंचेगी भाजपा

लोक पहल

लखनऊ। स्थापना दिवस पर भारतीय जनता पार्टी ने आम लोगों से सीधे जुड़ने के लिए उत्तर प्रदेश के 30000 गांवों तक पहुंचने की योजना बनाई है। साथ ही उत्तर प्रदेश के सभी एक लाख 61 हजार मतदान केंद्रों में ध्वजारोहण के कार्यक्रम भी रखे हैं। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले भारतीय जनता पार्टी आलाकमान उत्तर प्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर कोई कोर कसर छोड़ने की मुद्रा में नजर नहीं आ रहा है।

भाजपा ने 6 अप्रैल को अपने स्थापना दिवस पर उत्तर प्रदेश के सभी तीस हजार गांवों तक पहुंचने का महाअभियान शुरू करने की घोषणा की है। इस बात की पुष्टि प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने की है। उन्होंने बताया कि इसके निर्देश पार्टी के कार्यकर्ताओं को दिए जा चुके हैं। वे प्रदेश के गांव–गांव तक पहुंच कर योगी और मोदी सरकार की उपलब्धियों के बारे में लोगों को जानकारी देंगे। परिवहन मंत्री कहते हैं कि जिन मंत्रियों को जिले का प्रभार सौंपा गया है उन्हीं के जिम्मे अपने जिले में निकाय चुनाव के दरम्यान पूरी तैयारियों पर नजर रखने की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही भाजपा अपने स्थापना दिवस पर प्रदेश भर के एक लाख 61 हजार बूथों पर ध्वजारोहण की तैयारी कर चुकी है। पार्टी के सभी कार्यकर्ता अपने–अपने बूथों पर लोगों को एकत्र कर ध्वजारोहण में उन्हें शामिल करेंगे।

6 से 14 अप्रैल तक भाजपा मनाएगी सामाजिक न्याय सप्ताह

लोक पहल

लखनऊ। भाजपा अपने स्थापना दिवस 6 अप्रैल से लेकर बाबा साहब भीमराव आंबेडकर जयंती 14 अप्रैल तक सामाजिक न्याय सप्ताह मनाएगी। इसके लिए प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने पार्टी पदाधिकारियों, जिला प्रभारियों, जिलाध्यक्षों व अभियान से जुडे पदाधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक करेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष ने पदाधिकारियों का आह्वान किया कि 6 अप्रैल को कार्यकर्ता अपने बूथों पर सुबह 9 बजे पार्टी का ध्वज लगाएंगे और प्रधानमंत्री का उद्बोधन सुनेंगे। युवा मोर्चा जिला व मण्डल स्तर पर चिकित्सा शिविर व सहभोज आयोजित कर स्वच्छता अभियान चलाएगा।

8 अप्रैल को अनुसूचित जनजाति मोर्चा जनजाति बहुल क्षेत्रों में सम्मेलन करेगा। किसान मोर्चा 9 अप्रैल को जनजागरण अभियान चलाया जाएगा। 10 अप्रैल को महिला मोर्चा अनुसूचित जाति की महिलाओं के साथ सहभोज, पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा 11 अप्रैल को महात्मा ज्योतिबा फुले की जन्म जयंती पर संगोष्ठी की जाएगी।

इसी प्रकार 12 अप्रैल को स्वच्छता अभियान और 13 अप्रैल को मंडल स्तर पर वृक्षारोपण होगा। बाबा साहब की जयंती पर 14 अप्रैल को अनुसूचित जाति मोर्चा व पार्टी कार्यकर्ता श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे।

अब ब्लॉक प्रमुख का होगा सीधा चुनाव, डिप्टी सीएम ने दिए संकेत

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में ब्लॉक प्रमुख की चुनाव प्रक्रिया में बड़ा परिवर्तन हो सकता है। आगरा में ग्राम विकास विभाग की योजनाओं की समीक्षा और मंडल स्तरीय ब्लॉक प्रमुख व बीडीओ सम्मेलन में आए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कुछ ऐसे संकेत दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ऐसी व्यवस्था पर विचार कर रही है जिसमें ब्लॉक प्रमुख पद का चुनाव भी क्षेत्र पंचायत सदस्य व ग्राम प्रधान की तरह जनता द्वारा किया जाएगा।

सम्मेलन में आए ब्लाक प्रमुखों ने शस्त्र लाइसेंस दिलाने, मनरेगा में बजट का प्रावधान, सार्वजनिक भूमि से कब्जे हटवाने और प्रमुखों का प्रोटोकॉल निर्धारित करने की मांग की। साथ ही वर्षों से ब्लॉक में जमे बीडीओ के लिए तबादला नीति बनाने की मांग की, जिसके जवाब में ग्राम्य विकास मंत्री व डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जल्द भविष्य में ब्लॉक प्रमुखों का चुनाव जनता द्वारा कराए जाने पर सरकार विचार कर रही है। जिसके बाद ब्लॉक प्रमुखों को प्रोटोकॉल के साथ–साथ विभागीय बैठक व योजनाओं में पूर्ण सहभागिता मिलेगी। उन्होंने कहा बीडीओ का ब्लॉक स्तर पर तबादले किए जाएंगे।

इस दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, विधायक डॉ. जीएस धर्मेश, एमएलसी विजय शिवहरे, पक्षालिका सिंह, डीएम नवनीत सिंह चहल मौजूद रहे। सम्मेलन के बाद उपमुख्यमंत्री मीडिया से मुखातिब हुए। पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में विकास पर भाजपा का ध्यान है। आगे चलकर भाजपा का मतलब विकास और विकास का मतलब भाजपा होगा। उन्होंने सपा पर जुबानी हमला करते हुए कहा कि सपा का मतलब गुंडा राज और अपराध है।

12वीं के कोर्स से बाहर हुए फिराक गोरखपुरी और निराला

लोक पहल

प्रयागराज। यूपी बोर्ड और सीबीएसई 12वीं के विद्यार्थी अब फिराक गोरखपुरी और निराला की रचनाओं को नहीं पढ़ सकेंगे। सरकार ने यूपी बोर्ड और सीबीएसई की 12वीं कक्षा के कोर्स से फिराक गोरखपुरी की गजल को हटा दिया गया है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने शैक्षिक सत्र 2023–24 से इंटरमीडिएट में चलने वाली 'आरोह भाग दो' में कई परिवर्तन किए हैं। इसमें फिराक गोरखपुरी गजल और 'अंतरा भाग दो' से सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की 'गीत गाने दो मुझे' नहीं पढ़ सकेंगे। इसके अलावा विष्णु खरे की एक काम और सत्य को भी एनसीईआरटी ने 'अंतरा भाग दो' से हटा दिया है।

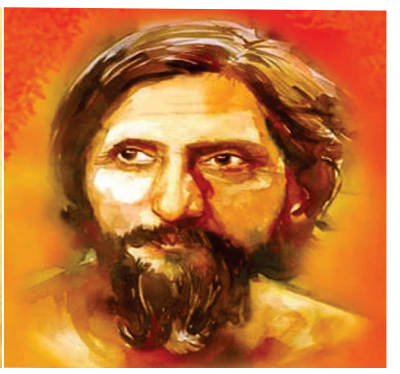

'विद्यार्थी आरोह भाग दो' में 'चार्ली चौपलिन यानी हम सब' को भी छात्र इस सत्र में नहीं पढ़ सकेंगे। एनसीईआरटी की तरफ से जिन भी विषयों के पाठ्यक्रम में बदलाव किए गए हैं उनकी जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है। नागरिक शास्त्र की पुस्तक से समकालीन विश्व राजनीति से समकालीन विश्व में अमेरिका वर्चस्व और शीतयुद्ध को हटा दिया गया है।

स्वतंत्र भारत में राजनीति की किताब से 'जन आंदोलन का उदय' और 'एक दल के प्रभुत्व का दौर' को हटाया गया है। इनमें कांग्रेस के प्रभुत्व की प्रकृति, सोशलिस्ट पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया, भारतीय जनसंघ आदि को पढ़ाया जाता था।

एनसीईआरटी की ओर से किए गए बदलाव में 12वीं के इतिहास की किताब से 'भारतीय इतिहास के कुछ विषय को हटा दिया गया है। इसके अन्तर्गत बच्चों को अकबरनामा और बादशाहनामा, मुगल शासक पढ़ाया जाता था।

और खत्म हो गया 22 साल का सफर, अलग हो गए स्वाति और मंत्री दयाशंकर सिंह

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह और पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वाति सिंह के बीच तलाक हो गया है। इसके साथ ही दोनों का 22 साल का रिश्ता खत्म हो गया है। स्वाति सिंह पिछली योगी सरकार में महिला एवं बाल विकास मंत्री थी। स्वाति सिंह लखनऊ की सरोजनीनगर सीट से चुनाव लड़ना चाहती थीं, मगर बीजेपी ने यहां से ब्रजेश पाठक को खड़ा किया था। दयाशंकर बलिया से विधानसभा चुनाव लड़कर जीत गए थे। ऐसे में पति पत्नी के बीच दूरियां बढ़ती चली गईं और बात तलाक पर आ गई।

सूत्रों के अनुसार योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री दयाशंकर सिंह और स्वाति सिंह के मामले में पारिवारिक न्यायालय में सुनवाई करते हुए अपर प्रधान न्यायाधीश देवेंद्र नाथ सिंह ने विवाह को समाप्त मानते होने का फैसला सुनाया है। स्वाति सिंह ने 30 दिसंबर 2022 को पारिवारिक न्यायालय में वाद दाखिल करके तलाक की अर्जी दी थी।

रिश्ते की बात करें तो अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में काम करने के दौरान दयाशंकर सिंह और स्वाति सिंह के रिश्ते की बुनियाद पड़ी थी। जानकारी के मुताबिक उस समय स्वाति सिंह इलाहाबाद से एमबीए की पढ़ाई कर रही थीं। वहीं, दूसरी तरफ दयाशंकर सिंह लखनऊ विश्वविद्यालय की छात्र राजनीति में बड़ा नाम थे। खास बात ये थी कि दोनों बलिया से आते थे और परिषद के काम ने उनका मेलजोल और बढ़ा दिया। इस बीच उनके रिश्ते प्रगाढ़ हो गए। बाद में दोनों ने शादी कर ली।वहीं, 22 साल पहले जिस रिश्ते की शुरुआत दोनों ने मिलकर की थी, उसे आज कोर्ट ने पूर्ण विराम लगा दिया है और अब दोनों के रास्ते अलग हो गए हैं।

नगर निकाय चुनाव: सभी वर्गों को उनकी आबादी के हिसाब से मिलेगी हिस्सेदारी

■ हर वर्ग को आरक्षण मिलने तक घूमेगा चक्र

लोक पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में स्थानीय निकाय चुनाव में पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट के बाद सभी के मन में यह प्रश्न उठ रहे हैं कि आखिर आरक्षण की नई व्यवस्था किस तरह लागू की जायेगी। यहां हम आपको बता रहे हैं कि उप्र नगर स्थानीय स्वायत्त शासन विधि (संशोधन) अध्यादेश, 2023 में ऐसी व्यवस्था की गई है, जिससे सभी वर्गों को उसकी आबादी के हिसाब से हिस्सेदारी मिलेगी। अध्यादेश में आरक्षण चक्रानुक्रम की नई व्यवस्था के मुताबिक आरक्षण का चक्र तब तक पूरा नहीं माना जाएगा, जब तक सभी वर्गों को आरक्षण नहीं मिल जाता।

बता दें कि पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट में दिए गए सुझावों के मद्देनजर सरकार द्वारा निकाय में सीटों के आरक्षण की मौजूदा चक्रानुक्रम व्यवस्था में बदलाव के लिए उप्र नगर पालिका अधिनियम, 1916 व उप्र नगर निगम अधिनियम 1959 में संशोधन के लिए उप्र नगर स्थानीय स्वायत्त शासन विधि (संशोधन) अध्यादेश–2023 लाया गया है।

इस अध्यादेश में दो प्रमुख बदलाव किए गए हैं। पहला, आरक्षण की पुरानी चक्रानुक्रम व्यवस्था को शून्य कर दिया गया है। दूसरा, निकायों को एक इकाई की जगह तीन इकाई मानते हुए चक्रानुक्रम की नई व्यवस्था को लागू किया जाएगा।

अध्यादेश में स्पष्ट किया गया है कि आरक्षण की नई व्यवस्था में सभी को प्रतिनिधित्व मिलेगा लेकिन यह चक्र पूरा होने में समय लगेगा। इसे पूरा करने में हर 10 साल पर होने वाली जनगणना बाधा नहीं बनेगी। उदाहरण के तौर पर प्रदेश में 17 नगर निगम हैं। एक बार में चार ही पद ओबीसी के लिए आरक्षित हो सकते हैं। ऐसे में ओबीसी के आरक्षण का चक्र पूरा होने में कम से कम चार चुनाव लगेंगे।

इसी प्रकार नगर पंचायतों में आरक्षण तय करने के लिए जिले को इकाई माना गया है। जैसे किसी जिले में दस नगर पंचायतें हैं तो वहां एक बार में तीन ही नगर पंचायत ओबीसी के लिए आरक्षित हो सकेंगी। ऐसे में कम से कम तीन बार चुनाव होने पर ही सभी को प्रतिनिधित्व मिल सकेगा। नई व्यवस्था में प्रदेश स्तर पर सिर्फ महापौर के सीटों का ही आरक्षण होगा। नगर पालिका परिषद में अध्यक्ष के लिए मंडल स्तर और नगर पंचायत अध्यक्ष के लिए जिला स्तर पर सीटों का आरक्षण होगा।

इसी प्रकार राज्य में कुल पदों की संख्या के एक तिहाई पद महिलाओं के लिए आरक्षित कर दिया गया है। महापौर के पदों का आरक्षण तय अनुपात से होगा। वहीं, यह स्पष्ट किया गया है कि इस अध्यादेश के लागू होते पूर्व में कराए गए निर्वाचन को शून्य मान लिया जाएगा। नई व्यवस्था में नगर निगमों को प्रदेश स्तर पर एक इकाई मानकर आरक्षण तय किए जाएंगे तथा नगर पालिका परिषदों को मंडल स्तर पर एक इकाई मानकर व नगर पंचायतों को जिला स्तर पर एक इकाई मानकर आरक्षण तय किए जाएंगे।

उम्र के हिसाब से बच्चों को नींद लेना बहुत जरूरी

हर साल 17 मार्च को विश्व नींद दिवस यानि वर्ल्ड स्लीप डे मनाया जाता है। ऑक्सफोर्ड हेल्थ एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट का कहना है कि मनोवैज्ञानिक चिकित्सक तक रात को अच्छी नींद लेने की सलाह देते हैं। नींद हमारे मन, शरीर और आत्मा को फिर से जीवंत करने में मदद करती है और हमें अगले दिन की चुनौतियों और तनावों के लिए तैयार करती है। रात को अच्छी नींद लेने का बहुत महत्व है और यह दिमाग को संतुलित और स्वस्थ बनाए रखने के प्रमुख तरीकों में से एक है। इस वर्ल्ड स्लीप डे पर जानते हैं कि बच्चों के लिए 8 घंटे की नींद लेना क्यों जरूरी होता है।

अच्छी नींद ना लेने से हो सकते हैं बीमार

जिन बच्चों को पर्याप्त नींद नहीं मिलती है, वे गंभीर स्वास्न्य संबंधी समस्याओं से ग्रस्त हो सकते हैं। सही स्लीपिंग पैटर्न बनाकर से बच्चे की डूनिटी को मजबूत करने में मदद मिलती है। जो लोग पर्याप्त नींद नहीं लेते हैं, उनके वायरस के संपर्क में आने पर बीमार होने की संभावना अधिक होती है। अपर्याप्त नींद लेने पर स्ट्रेस हार्मोन, कोर्टिसोल बढ़ता है जिससे चिंता पैदा होती है। नींद की कमी होने पर इंसान ज्यादा खाता है जिससे मोटापा बढ़ने का डर रहता है।

बच्चों को कितनी देर सोना चाहिए

उम्र के आधार पर बच्चे के लिए नींद के घंटे अलग होते हैं। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिस के अनुसार 1 वर्ष से कम आयु के शिशु 12 से 16 घंटे, 1 से 2 साल के बच्चे 11 से 14 घंटे, 3 से 5 साल के बच्चे 10 से 13 घंटे, 6 से 12 साल के बच्चे 9 से 12 घंटे और 13 से 18 वर्ष के किशोर 8 से 10 घंटे सोने चाहिए।

बच्चों के लिए यों जरूरी है अच्छी नींद

नींद हर किसी की दिनचर्या का एक अनिवार्य हिस्सा है और एक स्वस्थ जीवन शैली के लिए भी जरूरी है। अध्ययनों से पता चला है कि जो बच्चे नियमित रूप से पर्याप्त मात्रा में नींद लेते हैं, उनके ध्यान, व्यवहार, सीखने, स्मृति और समग्र मानसिक और शारीरिक स्वास्न्य में सुधार होता है। पर्याप्त नींद न लेने से हाई बीपी, मोटापा और यहां तक कि अवसाद भी हो सकता है। मेडिकल रिसर्च में खुलासा हुआ है कि गहरी नींद में शरीर में ग्रोथ हार्मोन बहुत एटिव होता है। बच्चे जितनी अच्छी नींद लेंगे, उनका डून सिस्टम उतना ही ज्यादा मजबूत होगा।

अच्छी नींद पाने के उपाय

रोज एक ही समय पर सोना और उठना जरूरी और महत्वूपर्ग होता है। रोज रात को एक ही समय पर सोना चाहिए। बच्चे को समय पर सुलाने के लिए आप कमरे में रोशनी कम रखें, बिस्तर पर जाने से लगभग एक घंटे पहले गैजेट्स का इस्तेमाल ना करें और ना ही बच्चे को करने दें, कैफीन कम लें, गुनगुने पानी से नहाएं। ये कुछ बेहद आसान तरीके हैं जिनकी मदद से आप अपने बच्चे को समय पर सुला सकते हैं और अच्छी और पर्याप्त नींद लेने में उसकी मदद कर सकते हैं।

सुकून खोते पहाड़, गुम होता पहाड़ी व्यंजनों का स्वाद

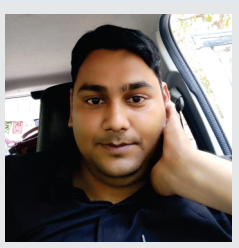

सुदीप शुक्ला, शाहजहांपुर

उत्तराखंड एक खूबसूरत पर्यटन स्थल है जो दुनिया भर में सुकून और प्राकृतिक छटा के लिए प्रसिद्ध है। वहां प्राकृतिक स्थलों पर समुद्र तल से ढाई हजार मीटर की ऊंचाई पर तमाम सेब के बाग, पुराने ओक और देवदार के पेड़ों के साथ एक से बढ़कर एक लोकप्रिय तीर्थ स्थान पहाड़ी शहर है। जहां हिमालय की सीमा के बीच स्थित कई स्की रिसॉर्ट हैं। ढलानों और स्वच्छ वातावरण के कारण भारत में एक लोकप्रिय स्थान है। लेकिन कुछ दिनों से पर्यटकों का दवाब इतना ज्यादा बढ़ गया है कि पहाड़ अपना सुकून खोते नजर आ रहे है। खूबसूरती के द्वार काठगोदाम से आगे बढ़ते ही आपको नैनीताल और रानीखेत अल्मोड़ा मार्गों पर जाम के झाम से रूबरू होना पड़ेगा। जैसे तैसे भारी ट्रैफिक के बाद आप सुकून के लिए पहाड़ों पर चढ़ गए तो शुक्रवार से रविवार तक आपको भीमताल, भवाली, कैंचीधाम, नैनीताल काकड़ीघाट तक रूम मिलना मुश्किल हो जाएगा। मुक्तेश्वर जैसी बेहद खूबसूरत जगह जिसको उत्तराखंड का स्विटजरलैंड कहा जाता है वहां खड़े होने की जगह नहीं मिल पा रही है। वही देर शाम होटलों में खाना खत्म होने पर पर्यटकों को इससे भी दो चार होना पड़ रहा है। दूसरी ओर पहाड़ पर रहने वाले लोग जहां मैदानी इलाकों की ओर रुख कर रहे हैं तो दिल्ली नोएडा और हरियाणा के बिजनेसमैन पहाड़ों पर दुकानें कब्जाने में लगे है।ये लोग होटल्स और स्टोर खोलकर पहाड़ों की खूबसूरती को मैदानी रंग में रंगने में जुटे हैं।

हां अभी भी गढ़वाल में पहाड़ियों में बर्फ से ढके पहाड़ों के मंत्रमुग्ध दृश्यों का आनंद ले सकते हैं। हिमालय की जैव विविधता की दृष्टि से औली एक समृद्ध क्षेत्र है। सफेद कपास सी कोमल बर्फ, ऊंची नीची पहाड़ियां, हरे मखमल से घास के मैदान, शुद्ध हवा, सीधे प्रकृति से प्राकृतिक जल पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है।

सूरज की किरणें जब बर्फ से ढके पहाड़ पर पड़ती है तो मानों ऐसा लगता है कि सुबह पहाड़ सूरज की रोशनी में नहा कर आये हो। मीलों दूर तक पहाड़ों में सफेद बर्फ की चादर पर जीभरकर खेलने का आनंद आप ले सकते हैं। यही नहीं उत्तराखंड के औली में एशिया की सबसे लंबी रोपवे है। जिससे आप 4.15 किमी की दूरी तय कर सकते हैं। यहां बने फाइबर ग्लास के छोटे–छोटे घर, स्नो पॉड्स इस खूबसूरत हिल स्टेशन को और करीब से जानने का मौका देती है। लेकिन पहाड़ी भुट्टे की सोंधी महक,भट्ट की दाल का स्वाद, भट्ट के डुबको का तीखपान, बिच्छू घास का साग और पहाड़ी खीरे का स्वाद बड़े नामी रेस्टोरेंट के कारण कही पीछे छूट रहा है। हमे दुख है पहाड़ अपना सुकून खो रहे हैं।

अजय देवगन की 'मैदान' का ट्रेलर हुआ रिलीज

अजय देवगन की हाल में ही भोला रिलीज हुई है। इसके साथ उन्होंने अपनी आने वाली फिल्म फिल्म मैदान का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। फिल्म पिछले काफी समय से खबरों में है। कोरोना महामारी के चलते इसकी रिलीज को लगातार टाला जा रहा था। अब फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। ट्रेलर देखने के बाद फिल्म के लिए लोगों की एसाइटमेंट और बढ़ गई है।

ट्रेलर की शुरुआत फुटबॉल मैच की कमेंट्री से होती है, जिसमें बताया जा रहा हैं कि बारिश के चलते ये मैच काफी मुश्किल होने वाला है। आजादी के बाद पांचवे साल में भारत दूसरे बार ओलपिंक में अपनी जगह बनाता है, ऐसे में उनके लिए ये और भी खास मैच है। खिलाड़ियों को पानी से भरे मैदान में नंगे पैर खेलना पड़ेगा। इस मुश्किल में प्लेयर कैसे डटे रहेंगे देखने लायक होगा। फिल्म की पंच लाइन भी ट्रेलर में सुनाई देती है, जिसमें अजय देवगन कहते नजर आ रहे हैं कि आज मैदान में उतरेंगे 11 लेकिन दिखेंगे

1. अजय देवगन ने फिल्म भोला की रिलीज के साथ मैदान का ट्रेलर साझा किया है। अजय ने एक इंस्टाग्राम पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा, मैदान में उतरेंगे ग्यारह लेकिन दिखेंगे एक। इस फिल्म का निर्देशन अमित रवींद्रनाथ शर्मा ने किया है। फिल्म में अजय कोच की भूमिका में नजर आने वाले हैं।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

फिल्म मैदान भारतीय फुटबॉल के गोल्डन डेज पर आधारित है। इस फिल्म में अजय का किरदार महान कोच सैयद अुल रहीम पर बेस्ड है, जिन्हें भारतीय फुटबॉल के पिता माना जाता है। रहीम 1950 से 1963 तक भारतीय राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के मैनेजर थे। बता दें फिल्म 23 जून को रिलीज होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

कास्टिंग काउच में महिलाएं पुरुषों से कम नहीं : ठाकरे

शो बिज की दुनिया दूर से हमेशा ही बहुत चकाचौंध भरी लगती है। हालांकि, इसके भीतर की सच्चाई वही लोग जानते हैं जो इसके साथ जुड़े हुए हैं। पिछले कुछ समय से इंडस्ट्री में खासतौर पर कास्टिंग काउच को लेकर कई खुलासे किए जा रहे हैं। अब बिग बॉस 16 के फर्स्ट रनर-अप शिव ठाकरे अपने उस बुरे दौर को याद कर ऐसा खुलासा किया है कि सभी दंग रहे हैं। शिव ठाकरे को बिग बॉस के कारण देशभर में एक अलग पहचान मिल चुकी है। एटर की लगातार सफलता मिलती जा रही है, जिसके कारण वह एक के एक बाद अपने सभी सपने पूरे कर रहे हैं। हाल ही में शिव ने लग्जरी कार टाटा हैरियर खरीदी। इसके अलावा उन्होंने अपना एक रेस्टोरेंट भी खोला है। अब शिव ने अपने संघर्ष के दिनों को याद किया है। शिव ठाकरे ने एक इंटरव्यू में अपने साथ हुए कास्टिंग काउच का अनुभव को शेयर किया है। उन्होंने बताया, मैं एक बार आराम नगर में ऑडिशन के लिए गया था और वह मुझे बाथरूम में ले गया और कहा, यहां पर मसाज सेंटर है। मुझे ऑडिशन और मसाज सेंटर के बीच कोई संबंध नहीं दिखाई दिया। उन्होंने मुझसे कहा, आप एक बार आओ ऑडिशन के बाद आप यहां वर्कआउट भी करते हो। यह सुनते ही मैं वहां से भाग गया। शिव ने आगे कहा, मैंने ऐसा महसूस किया है कि जब कास्टिंग काउच की बात आती है तो पुरुषों और महिलाओं के बीच कोई भेदभाव नहीं किया जाता। शिव ठाकरे ने कास्टिंग काउच के अपने दूसरे किस्से को याद करते हुए कहा, चार बंगलों में एक मैडम थीं। वह मुझे कहती थीं, मैंने इसको बनाया है। उन्होंने मुझे रात के 11 बजे ऑडिशन के लिए बुलाया था। शिव ने बताया, मैं इतना भी भोला नहीं हूं कि ये नहीं समझ पाऊंगा कि रात में या ऑडिशन या मतलब हैं। मैंने उनसे कहा कि मुझे कुछ काम है, मैं नहीं आ पाऊंगा। इस पर उस महिला ने कहा, काम नहीं करना? इंडस्ट्री में काम नहीं मिलेगा वगैरह-वगैरह। वो आपको डीमोटिवेट करेंगे और आपके साथ हेरफेर करेंगे, लेकिन मैं इससे कभी परेशान नहीं हुआ।

परिणीति चोपड़ा को हार्डी संधू ने दी बधाई

परिणीति चोपड़ा अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से सुर्खियों में छाई हुई हैं। उनके और आप नेता राघव चड्ढा के बीच का रिलेशन या है, इसे जानने में सभी की दिलचस्पी बनी हुई है। परिणीति-राघव चड्ढा की बार-बार हो रही मुलाकातों पर फैंस ने नजरें टिकी हुई हैं। आप नेता संग रिलेशनशिप की खबरों के बीच परिणीति संग फिल्म कोड नेम तिरंगा में काम कर चुके हार्डी संधू ने बताया कि उन्होंने परिणीति को फोन कर बधाई दी है।

पंजाबी सिंगर-एटर हार्डी संधू ने एक इंटरव्यू में कहा- मैं बहुत खुश हूं कि ये आखिरकार हो रहा है। मैं परिणीति को गुड लक विश करता हूं। मालूम हो, हार्डी संधू और परिणीति ने 2022 में रिलीज हुई स्पाई थ्रिलर कोड नेम- तिरंगा में काम किया था। हार्डी ने बताया कि इस फिल्म की शूटिंग के दौरान वे और परिणीति शादी के बारे में बात किया करते थे।

एटर ने कहा- जब हम फिल्म की शूटिंग कर रहे थे, हमारे बीच शादी को लेकर बातचीत होती थी। परिणीति मुझसे कहती थीं- मैं तभी शादी करूंगी जब मुझे लगेगा मैंने अपना मिस्टर राइट ढूंढ़ लिया है। हार्डी ने बताया कि उन्होंने हाल ही में परिणीति चोपड़ा से बात की है। वे कहते हैं- हां, मैंने उन्हें फोन कि ये और बधाई दी। परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा के रिलेशनशिप की खबरें तब सामने आईं जब उन्हें साथ में मुंबई के एक रेस्टोरेंट के बाहर देखा गया। दोनों को बार-बार लंच और डिनर डेट पर देखे जाने के बाद फैंस के बीच उनके रिलेशन की चर्चाओं ने जोर पकड़ा। इन अटकलों को आप सांसद संजीव अरोड़ा के ट्वीट ने और हवा दी। संजीव ने परिणीति और राघव चड्ढा की फोटो शेयर कर दोनों को बधाई दी थी। उन्होंने ट्वीट में लिखा था- मैं राघव चड्ढा और परिणीति चोपड़ा को हार्दिक बधाई देता हूं। मैं आशा करता हूं कि दोनों का साथ प्यार, आनंद और कंपेनियनशिप से भरा रहे। मेरी शुभकामनाएं!

बॉलीवुड | मसाला

दुनिया की सबसे महंगी घड़ी! कीमत इतनी कि गाड़ी-बंगला सब आ जाए

दुनिया की सबसे महंगी घड़ी के लिए अगर आप गूगल करेंगे तो कई तरह के उत्तर मिलेंगे। योंकि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि आप विंटेज घड़ियों को शामिल करते हैं या नहीं। पाटेक स्टील में फिलिप ग्रैंडमास्टर चाइम 2019 में 3.1 करोड़ डॉलर यानी करीब 2.5 अरब में नीलाम हुई। पाटेक फिलिप हेनरी ग्रेत्स सुपर कंप्लीकेशन 2.4 करोड़ डॉलर यानी करीब 2 अरब में बिकी। लेकिन यह खास घड़ियां थीं, जिसे आम लोगों के लिए खरीदना आसान नहीं था। अब एक और घड़ी को सबसे महंगी घड़ी बताया जा रहा है, जिसकी कीमत 2 करोड़ डॉलर रखी गई। इतनी कीमत में आप गाड़ी-बंगला तक खरीद सकते हैं। हीरों से जड़ित इस घड़ी को जैकब एंड कंपनी ने मार्केट में उतारा है और दुनिया की सबसे महंगी घड़ी का नया दावेदार बताया है। इसमें आम घड़ियों की तरह घंटे, मिनट और एक सेकेंड का टूरबेलॉन है। सब रत्नों से सजी हुई हैं। इसमें 217 कैरेट के पीले हीरे लगे हुए हैं जो पूरी वॉच को कंगन की तरह कवर करते हैं। देखने में यह आपको सोने का एक गुच्छा नजर आएगा लेकिन चमक देखकर आंखें चौंधिया जाएंगी। कंपनी के मुताबिक, इसमें फैंसी येलो और फैंसी इंटेंस येलो रंग के 425 हीरों से डॉयल तैयार किया गया है। अंदर का हिस्से में भी 57 हीरों का इस्तेमाल किया गया है। कंपनी के सीईओ बेंजामिन अरबोव ने कहा, रत्नों की सां इतनी ज्यादा है कि इसकी तलाश पूरी दुनिया में की गई। साढ़े तीन साल लग गए। सभी रत्नों को हमारे जिनेवा मुालय में इकट्ठा किया गया। यहां सेटिंग से पहले और बाद में प्रत्येक रत्न की जांच की गई। हमने कुछ अनोखा किया जो दुनिया में आज तक नहीं हुआ था। यह भव्यता और विशिष्टता में दूसरी घड़ियों से काफी आगे है। यह जैकब एंड कंपनी की पहली अरबपति घड़ी नहीं है। पहली, हीरों से जड़ित घड़ी 2015 में मार्केट में उतारी गई थी, जिसकी कीमत 1.8 करोड डॉलर थी। बता दें विंटेज घड़ियों में सबसे आगे Graff Diamonds द्वारा बनाई गई Hallucination है। इसमें अलग-अलग रंग और कट के 110 कैरेट हीरे लगे हैं। इन्हें एक प्लेटिनम के ब्रेसलेट पर सजाया गया है। 2014 में लॉन्च हुई इस घड़ी की कीमत 5.5 करोड़ डॉलर (लगभग 455 अरब रुपये) है। दूसरे नंबर पर है इसी कंपनी की The Fascination, जिसकी कीमत 4 करोड़ डॉलर है। इस घड़ी में 152.96 कैरेट के सफेद हीरे जड़े हैं। इसका उत्पादन 2015 में हुआ था।

अजब-गजब | यूके के बायोग्राफर जॉन औबेरी ने की थी शुरुआत

सैकड़ों साल पुराना है 'अप्रैल फूल्स डे'

मूर्ख दिवस का नाम सुनकर आपको ऐसा लगता होगा कि ये दुनिया भर के मूर्खों का मजाक उड़ाने का दिन है। मजाक उड़ाना यानी आप ऐसे लोग, जिन्हें आसानी से उल्लू बनाया जा सकता है, को और तंग करें। लेकिन आपको बता दें कि इस दिन का मूर्खता से कोई लेना-देना ही नहीं है। अप्रैल महीने के पहले दिन हर साल इसे मनाया जाता है। लेकिन आखिर इस दिन का इतिहास या है? और यों इस दिन को मुर्ख दिवस कहा जाता है?

आज अप्रैल फूल्स डे है। ये हर साल अप्रैल महीने की पहली तारीख को मनाया जाता है। लोग कोशिश करते हैं कि इस दिन अपने जानने वालों को अच्छे से मुर्ख बनाया जाए। कोई किसी झूठे बहाने से या फिर किसी तरह का प्रैंक कर लोगों को उल्लू बनाते हैं। जब सामने वाला मुर्ख बन जाता है तब उसे अप्रैल फूल कहा जाता है। आज अप्रैल फूल्स डे है। लेकिन या आपको पता है कि आखिर इसकी शुरुआत कैसे हुई? अप्रैल फूल्स डे की शुरुआत आज से नहीं, सैंकड़ों साल पहले हुई थी। कहा जाता है कि इसकी शुरुआत 1686 में यूके के बायोग्राफर जॉन औबेरी ने की थी। वो इसे फूल्स होली डे के तौर पर मनाते थे। इसके कुछ साल बाद 1698 में लोगों को अफवाह फैलाकर टावर ऑफ लंदन में जमा किया गया। उन्हें कहा गया कि वहां से वो

दुनिया से खत्म होते शेर को देख पायेंगे। लोग आए और ऐसा कुछ नहीं हुआ। अगले दिन अखबार में इस झूठ का पर्दाफाश किया गया। तबसे दुनिया में पहली अप्रैल को झूठ बोलकर लोगों को उल्लू बनाने का सिलसिला शुरू हो गया।

आपको बता दें कि फ्रांस में लोगों को उनके खाने में जहर होने का झूठ बोल डराया जाता था। पहले तो लोगों को ये मजाक नापसंद था। लेकिन कुछ समय बाद इसे गुड लक से जोड़ दिया गया। ग्रीस में माना जाता है कि अगर आपको अप्रैल फूल बनाया गया है तो सालभर आपके पास गुड लक रहेगा। वहीं अमेरिका में पहली अप्रैल को बारिश होने को शुभ माना जाता है। हालांकि, अब सोशल मीडिया के आ जाने से प्रैंक और झूठी खबरों को पहली अप्रैल को शेयर करने पर रोक लगा दी गई है। अगर इसे मनोरंजक तरीके से मनाया जाए तो ये मजेदार है। लेकिन अगर इसका स्तर बढ़ जाता है तो इससे कई तरह के नुकसान हो सकते हैं।

लोक पहल, राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक, मुमुक्षु आश्रम, शाहजहॉपुर, प्रधान संपादक अरूण पाराशरी

लोक पहल हिन्दी साप्ताहिक स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डा. अवनीश कुमार मिश्रा द्वारा शाहजहॉपुर प्रिन्टर्स जज साहब वाली गली, तारीन बहादुरगंज जिला शाहजहॉपुर 242001 से मुद्रित व 160 रोशनगंज लक्ष्मी राईस मिल, शाहजहॉपुर 242001 उ0प्र से प्रकाशित। संपादक-सुयश सिन्हा मो. 9935740205 E-mail : lokpahalspn@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र शाहजहॉपुर होगा।